छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की द्विमासिक गृह पत्रिका

संकल्प

अक्टूबर 2026 | वर्ष-23 | अंक-05



132 KV दलदल सिवनी, रायपुर



SING Foram 2026



सी एस पी जी सी एल
CSPGCL

CSPTCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

CSPDCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

विद्युत विकास के बढ़ते कदम

विवरण	नवम्बर 2000	जुलाई 2026
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2,840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2,978.7 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेन्द्रों की संख्या	27 नग	144 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट किमी	15,332 सर्किट किमी
400 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	1 नग	5 नग
400 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	945 एमवीए	4,410 एमवीए
400 केवी लाइन की लंबाई	277 किमी	2,033 किमी
220 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	5 नग	29 नग
220 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,350 एमवीए	11,955 एमवीए
220 केवी लाइन की लंबाई	1594.30 किमी	4, 558 किमी
132 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	20 नग	110 नग
132 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,257 एमवीए	13,080 एमवीए
132 केवी लाइन की लंबाई	2,974 किमी	8,741 किमी
33/11 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	248 नग	1,512 नग
33/11 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,033 एमवीए	10,972 एमवीए
33 केवी लाइन की लंबाई	6,988 सर्किट किमी	26,573 सर्किट किमी
11/04 केवी उपकेन्द्रों की संख्या	29,692 नग	2,66,135 नग
11/04 केवी उपकेन्द्रों की क्षमता	1,951 एमवीए	15, 600 एमवीए
11 केवी लाइन की लंबाई	40,556 किमी	1,52,883 किमी
निम्नदाब लाइन की लंबाई	51,314 किमी	2,54,708 किमी
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	67,17,290
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	4446
विद्युतीकृत पंपों की संख्या	73,369	6,23,577
(प्रावधिक)	73,500	2,56,801
ग्रामीण विद्युतीकरण संख्या	17,108	19,609
अधिकतम मांग	1334 मेगावॉट	7083 मेगावॉट

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की द्विमासिक गृह पत्रिका

संकल्प

अक्टूबर 2026 | वर्ष-23 | अंक-05

संरक्षक



श्री सुबोध कुमार सिंह (IAS)
माननीय अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़



श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
CSPGCL



श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
CSPTCL



श्री भीम सिंह कंवर
प्रबंध निदेशक
CSPDCL

संपादक



गोविन्द पटेल
उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क)

संपादन सहयोग : **अनामिका मण्डावी** छाया : **संजय टेम्बे**
वितरण सहयोग : **रामधन राठौर, सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे**
फोन : 0771-2574702 E-mail : procsphcl@gmail.com
वाट्सएप नं. : **94255-15050**

क्रम



लाइन लॉन कम करने छह माह की कार्ययोजना-	02
सेवा संकल्प का दीया-	04
स्मार्ट मीटर से पारदर्शी बिजली व्यवस्था-	10
प्रदेश में मजबूत हो रहा विद्युत पारेषण नेटवर्क-	12
अनवरत् विद्युत विकास –	16
अभियंता दिवस पर विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने का संकल्प-	19
टेबल टेनिस की मेजबानी, बहुभाषी स्वागत से बढ़ी गरिमा-	20
बांगो जल विद्युत संयंत्र में मॉकड्रिल-	23
उपभोक्ता जागरूकता से शिकायत निवारण तक –	24
विदाई समारोह-	26
स्काडा सेंटर, फाल्ट तलाशने में होगी सुविधा-	29
आभामंडल का विज्ञान-	28
विविध गतिविधियां-	32
अविस्मरणीय मानसरोवर यात्रा-	35

लाइन लॉस कम करने छह माह की कार्ययोजना बनाकर करें काम : सुबोध कुमार सिंह

सीएसपीडीसीएल की उच्चस्तरीय बैठक में उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवा देने पर जोर

बिलासपुर, रायगढ़ और अंबिकापुर के ग्रामीण क्षेत्रों में लाइन लॉस कम करने के निर्देश





छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री सुबोध कुमार सिंह ने 27 अगस्त को नवा रायपुर मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक लेकर विद्युत वितरण व्यवस्था में व्यापक सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने लाइन लॉस कम करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि दूसरे राज्यों के बड़े शहरों में लाइन लॉस को पांच प्रतिशत तक लाया गया है। ऐसे में छत्तीसगढ़ में लाइन लॉस अधिक रहने के कारणों का विश्लेषण कर छह माह की स्पष्ट कार्ययोजना बनाकर काम किया जाए। वर्तमान लाइन लॉस 12.5 प्रतिशत से कम करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

श्री सिंह ने कहा कि पावर कंपनी का प्रमुख लक्ष्य उपभोक्ताओं को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराना है। विद्युत सेवा को नेक्स्ट लेवल पर ले जाने के लिए आधारभूत संरचना को मजबूत किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से बिलासपुर, रायगढ़ और अंबिकापुर के ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक लाइन लॉस वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर उसे कम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वितरण व्यवस्था की कमियों को दूर करते हुए उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। बैठक में बकाया बिजली बिलों की वसूली पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। सरकारी विभागों में एडवांस बिल जमा कराने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। ऐसे विभागों में स्मार्ट मीटर के माध्यम से प्रीपेड बिलिंग की व्यवस्था लागू करने तथा बिल का भुगतान नहीं होने पर नियमानुसार विद्युत कनेक्शन विच्छेदित करने की कार्रवाई करने कहा गया। उन्होंने बकाया बिलों की वसूली में तीन माह के भीतर स्पष्ट प्रगति लाने के निर्देश दिए।

अध्यक्ष ने कहा कि बिल जमा होने के तुरंत बाद विद्युत कनेक्शन पुनः जोड़ने की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी न हो। उन्होंने उपभोक्ताओं को बिजली बिल समय पर जमा करने तथा उपलब्ध विद्युत सेवाओं की जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई। श्री सिंह ने योजना के प्रचार-प्रसार एवं अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को इससे जोड़ने के लिए कैंप आयोजित करने तथा विभागीय व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में क्रेडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेश कुमार राणा एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर सहित कार्यपालक निदेशक, मुख्य अभियंता एवं क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारी उपस्थित थे।

जनरेशन कंपनी एमडी एस.के. कटियार के कार्यकाल में वृद्धि



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संजीव कुमार कटियार के कार्यकाल में राज्य शासन ने सेवावृद्धि दी है। ऊर्जा विभाग द्वारा इस संबंध में जारी आदेश में उनके कार्यकाल में 31 मार्च 2027 तक वृद्धि की गई है।

श्री कटियार के कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियों में वित्त वर्ष 2023-24 में एबीवीटीपीएस मारवा के प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 84.4 प्रतिशत करना उल्लेखनीय है। इसके परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी 33 राज्य जनित निगमों में प्रथम स्थान पर रही। इसी तरह कोरबा पश्चिम ताप विद्युत संयंत्र में जटिल स्टेशन नियंत्रण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन सिस्टम के नवीनीकरण का कार्य महज 46 दिनों में पूरा किया गया।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक श्री कटियार प्रमाणित ऊर्जा लेखा परीक्षक हैं तथा उन्होंने प्रबंधन में डिप्लोमा भी प्राप्त किया है। उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिशा-निर्देश, टीम को प्रेरित करना और अधिकारियों-कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के लिए सशक्त बनाना प्रमुख है।

भारत और सिंगापुर के व्यापारिक समुदाय के बीच संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना आयोजन

सिंगापुर में SINGForum 2026 में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय हुए शामिल



सिंगापुर बिज़नेस फेडरेशन (SBF) द्वारा प्रथम SINGForum 2026 में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। वे वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 3 अक्टूबर से 6 अक्टूबर 2026 तक सिंगापुर के सफल आधिकारिक दौरे पर रहे, जहां राज्य को 43,600 करोड़ रूपए के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) और कुल 45,600 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने इस प्रथम 'सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ' (SING फोरम 2026) में शामिल होने के लिए देश से केवल दो राज्यों (छत्तीसगढ़ और हरियाणा) को नामांकित किया था। इस सहभागिता के माध्यम से छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ संवाद करने का अवसर मिला। इसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री माननीय श्री नायब सिंह सैनी, सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले, सिंगापुर बिज़नेस फेडरेशन (SBF) के चेयरमैन श्री मार्क ली तथा सीईओ श्री कोक पिंग सून भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर SBF के सदस्यों के साथ मास्टरकार्ड, टीसीएस, नेस्ले और IHCL के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव श्री विकासशील एवं प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) श्री सुबोध कुमार सिंह सहित सात सदस्यीय और हरियाणा का 26 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उपस्थित रहा। विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों की भागीदारी ने इस आयोजन को व्यापारिक संवाद और आपसी संपर्क के लिहाज से महत्वपूर्ण बनाया।

'विकसित छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026' में ऊर्जा संक्रमण और सतत

छत्तीसगढ़ के विकास और निवेश की संभावनाओं पर केंद्रित 'विकसित छत्तीसगढ़ कॉन्क्लेव-2026' का आयोजन 18 सितंबर को नवा रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में किया गया। भारत सरकार से जुड़े समाचार मंच 'ईटी गवर्नमेंट' द्वारा एएमएनईएक्स के सहयोग से आयोजित इस कॉन्क्लेव की विषयवस्तु 'नीति, नवाचार और निवेश के माध्यम से विकास को गति देना' रही।

कॉन्क्लेव में 'विकास को गति देती ऊर्जा : ऊर्जा संक्रमण और सतत अधोसंरचना' विषय पर आयोजित परिचर्चा में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के तीनों प्रबंध निदेशकों ने सहभागिता की। परिचर्चा में प्रबंध निदेशक, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी, श्री संजीव कुमार कटियार, प्रबंध निदेशक, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, श्री राजेश कुमार शुक्ला तथा प्रबंध निदेशक, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, श्री भीम सिंह कंवर ने ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। परिचर्चा में मुख्य कार्यकारी अधिकारी,



छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण, श्री सुमित सरकार तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक, टाटा पावर ट्रेडिंग कंपनी और टाटा पावर के संचरण एवं वितरण व्यवसाय विकास प्रमुख, श्री तरुण कटियार भी शामिल रहे।

परिचर्चा का संचालन 'द इकोनॉमिक टाइम्स' के सहायक संपादक, श्री आदर्श सोम ने किया। चर्चा के दौरान ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे बदलाव, ऊर्जा संक्रमण, सतत अधोसंरचना, निवेश, नवाचार तथा भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ।

सेवा संकल्प का दीया

सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण और जनकल्याण का संदेश



प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर महीनेभर चला सेवा संकल्प अभियान

मुख्यालय से विद्युत गृहों और क्षेत्रीय कार्यालयों तक हुए विविध आयोजन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महीनेभर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। मुख्यालय सेवा भवन में 1100 दीप प्रज्ज्वलित कर 'आशीर्वाद का दीया' पहल की शुरुआत की गई। प्रदेशभर के विद्युत गृहों, उपकेंद्रों और क्षेत्रीय कार्यालयों में भी दीप प्रज्ज्वलन के साथ स्वच्छता, पौधरोपण, जल संरक्षण, स्वास्थ्य परीक्षण, रक्तदान, रंगोली प्रतियोगिता और उपभोक्ता जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से सेवा, सहयोग, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का संदेश दिया गया।



मुख्यालय सेवा भवन में प्रज्ज्वलित किए 1100 दीये



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज में 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' पहल के अंतर्गत मुख्यालय सेवा भवन परिसर में 1100 दीये जलाए गए। जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार, ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने दीप प्रज्ज्वलित कर सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर सेवा भवन परिसर में आकर्षक रंगोली भी बनाई गई।

मुख्यालय के इस आयोजन के साथ प्रदेशभर में फैले मैदानी कार्यालयों, उपकेंद्रों और विद्युत गृहों में भी दीप प्रज्ज्वलित किए गए। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर के विद्युत कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

तीनों कंपनियों ने तय किया सेवा का व्यापक कार्यक्रम

ट्रांसमिशन कंपनी

अभियान के पहले चरण में प्रदेशभर में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के तहत दीप प्रज्ज्वलन किया गया। दूसरे चरण में सभी कार्यालयों एवं सबस्टेशनों में स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण किया गया।

जनरेशन कंपनी

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के बाद 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा के रंग राष्ट्र के संग' के तहत रंगोली, 'जल जन सेवा संकल्प' के अंतर्गत संयंत्रों में जल संरक्षण एवं जल संचयन का प्रदर्शन और 'सेवा की कहानी' के तहत स्थानीय रोजगार एवं सीएसआर हितग्राहियों की वास्तविक कहानियां प्रेषित की गईं। इसके साथ ही महीनेभर 'सुशासन सेवा संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के साथ 'सेवा सेतु अभियान—सरकार आपके द्वार' के तहत विकासखंड स्तर पर सेवा सेतु शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ नए बिजली कनेक्शन, लोड बढ़ाने या घटाने तथा नाम परिवर्तन के लिए प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई।



डीएसपीएम में 151 आशीर्वाद के दीये जलाए

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व के प्रशासनिक भवन परिसर में 17 सितंबर को 151 आशीर्वाद के दीये जलाकर सेवा संकल्प अभियान 2026 मनाया गया। कार्यक्रम मुख्य अभियंता श्री संजीव कंसल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। डॉ. बी.बी. बोडे, श्री सी.पी. पांडे, श्री जे.सी. विक्रम अग्रवाल तथा अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री सुनील सरना, श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्री एल.एन. सूर्यवंशी, श्री जी.पी. भगत एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।



मड़वा के आवासीय परिसर में स्वच्छता अभियान

जांजगीर स्थित मड़वा विद्युत संयंत्र के मुख्य अभियंता श्री रजनीश जांगड़े की अगुवाई में 24 सितंबर को सेवा संकल्प अभियान के तहत आवासीय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आलोक लकरा, मुख्य रसायनज्ञ सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अनुपयोगी सामग्री हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान आवासीय परिसर पैरी विहार एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की गई।



एचटीपीएस में पौधरोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



सेवा संकल्प अभियान के तहत 25 सितंबर को हसदेव ताप विद्युत गृह संयंत्र (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित क्षेत्र के विस्तार के उद्देश्य से पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यपालक निदेशक श्री एच.के. सिंह ने देशी प्रजाति के साल का पौधा लगाया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक देशी प्रजातियों के पौधे लगाए। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ए.के. शाह, श्री के.एन.बी. राव, श्री एस.के. नायर एवं श्री एस.सी. पाठक तथा वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के. कुरनाल ने भी पौधरोपण किया। हसदेव ताप विद्युत गृह संयंत्र, कोरबा पश्चिम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 30 सितंबर को जल संरक्षण के विभिन्न उपायों पर परिचर्चा आयोजित की गई। मुख्य रसायनज्ञ श्री देवेश दुबे ने जल संरक्षण एवं संवर्धन विषय पर जानकारीपूर्ण पावरपॉइंट प्रस्तुति दी।

बांगो जल विद्युत संयंत्र में स्वास्थ्य जांच शिविर



माचाडोली (कोरबा) में 30 सितंबर 2026 को सेवा संकल्प अभियान के तहत कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं (ईएसआईसी/ईएसआईएस), दुर्री-जमनीपाली केंद्र और कार्यालय अधीक्षण अभियंता (संचालन एवं संधारण), हसदेव बांगो जल विद्युत संयंत्र के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नियमित, संविदा एवं ठेका श्रमिकों तथा उनके परिवारजनों ने भाग लिया। चिकित्सक डॉ. संजय राम चेरवा और उनकी टीम ने 50 से अधिक बीमित श्रमिकों एवं परिजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। रक्तचाप और मधुमेह (रक्त शर्करा) की जांच के साथ चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा आवश्यक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गईं।

सेवा सेतु शिविरों से घर-घर पहुंचेगी सोलर योजना की जानकारी



दुर्ग क्षेत्र में 17 सितंबर को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा संरक्षण, उपभोक्ता जागरूकता और जनभागीदारी का संदेश देते हुए 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल दीप प्रज्ज्वलन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ऊर्जा के बेहतर उपयोग, स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और उपभोक्ताओं को योजनाओं से जोड़ने का प्रतीक है।

इसमें विकासखंड स्तर पर 'सेवा सेतु शिविर' आयोजित किया गया, जिसमें उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान तथा मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना सहित उपभोक्ता हित की योजनाओं की जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. मनोज तथा अधीक्षण अभियंता श्री आर.के. श्रीवास्तव एवं श्री तरुण ठाकुर सहित दुर्ग क्षेत्र के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

डीएसपीएम में 'विकसित भारत' थीम पर रंगोली प्रतियोगिता



डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में कोरबा पूर्व में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 'विकसित भारत' की संकल्पना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में मोनिका साय प्रथम, सविता शर्मा द्वितीय और सुमन ठाकुर तृतीय स्थान पर रहीं। बच्चों की श्रेणी में नीलम कैवर्त प्रथम, तृषा फुटाने द्वितीय और आराध्या सिंह ठाकुर तृतीय स्थान पर रहीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को निर्धारित मापदंडों के आधार पर पुरस्कृत किया गया। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के बाद 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा के रंग राष्ट्र के संग' के तहत रंगोली बनाई गई। जिसका अवलोकन वरिष्ठ अधिकारियों ने किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत गारे पेलमा सेक्टर-III कोयला खदान में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर



श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को प्राथमिकता देते हुए गारे पेलमा सेक्टर-III कोयला खदान में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में खदान में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदा श्रमिकों एवं कोयला उत्पादन में लगे मजदूरों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। शिविर का शुभारंभ खदान प्रबंधक श्री अगुल्ला सत्यनारायण ने किया। उन्होंने सभी से नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। चिकित्सा अधिकारी डॉ. नेहा झा के नेतृत्व में चिकित्सा दल ने सेवाएं प्रदान कीं। दल में ड्रेसर श्री गणेश राम साहू एवं फार्मासिस्ट श्री भारतध्वज राजवाड़े शामिल रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कल्याण अधिकारी श्री कोमल कंसारी का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर खदान सुरक्षा अधिकारी श्री सुशील साहू सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मड़वा संयंत्र में 23 लोगों ने किया रक्तदान



सेवा संकल्प अभियान के तहत अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह संयंत्र (एबीवीटीपीएस), मड़वा के विभागीय अस्पताल में 23 सितंबर को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अभियंता श्री रजनीश जांगड़े ने रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र वितरित किया।

वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. विकेंद्र सिंह के अनुसार शिविर में कुल 23 लोगों ने रक्तदान किया। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आलोक लकरा, श्री आर.एल. ध्रुव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आयोजन में सहयोग किया। चिकित्साधिकारी डॉ. कल्पदीप देब सहित अस्पताल के कर्मचारियों ने भी सक्रिय योगदान दिया।

हसदेव ताप विद्युत गृह संयंत्र (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में प्रज्ज्वलित किया 'आशीर्वाद का दीया'



हसदेव ताप विद्युत गृह संयंत्र (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्षद श्रीमती राधा बाई महंत तथा अध्यक्ष एवं कार्यपालक निदेशक श्री एच.के. सिंह सहित अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मुख्य अभियंता श्री पी.के. जोशी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.के. गुप्ता, श्री आर.के. पांडे, श्री ए.के. शाह, श्री एस.के. नायर एवं श्री एस.सी. पाठक, परियोजना प्रबंधक श्री एस.के. पंड्या तथा वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के. कुरनाल ने सहभागिता की। कार्यक्रम का समन्वय मुख्य रसायनज्ञ श्री देवेश कुमार दुबे ने किया तथा संचालन सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) श्री विकास उईके ने किया।

'सेवा मेरा योगदान' के तहत स्वच्छता अभियान आयोजित



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'सेवा मेरा योगदान' पहल के तहत 7 अक्टूबर 2026 को ट्रांसमिशन कंपनी, भिलाई के मुख्य अभियंता (संचार एवं टेलिमेटरी) कार्यालय में स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यालय प्रमुख एवं मुख्य अभियंता श्री के.के. भगत तथा अधीक्षण अभियंता श्रीमती पद्माशा तिवारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कार्य परिसर की दैनिक साफ-सफाई में योगदान देने वाली श्रीमती रेखा पात्रो को उनके समर्पण एवं स्वच्छता के प्रति निरंतर योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। श्रीमती रेखा पात्रो ने स्वच्छता अभियान को आगे भी इसी समर्पण के साथ जारी रखने का संकल्प दोहराया।

प्रभावी प्रबंधन

जिलों की विद्युत व्यवस्था की व्यापक समीक्षा

की प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने



राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने 15 अक्टूबर को राजनांदगांव क्षेत्र के चारों जिलों के अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक ली और राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिलों की विद्युत वितरण व्यवस्था, निर्माण एवं रखरखाव कार्यों तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। श्री कंवर ने अधिकारियों को उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत सेवा उपलब्ध कराने और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री शहरीय विद्युतीकरण योजना, मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना, मुख्यमंत्री मजराटोला योजना, कृषि पंप विद्युतीकरण, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान, मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना तथा पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के अंतर्गत स्मार्ट मीटर स्थापना की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके साथ ही एलटी एवं एचटी लाइनों के विस्तार, वितरण ट्रांसफार्मरों की स्थिति, 33 केवी एवं 11 केवी लाइनों के मेंटेनेंस, ट्रांसफार्मरों एवं सबस्टेशनों के रखरखाव, विद्युत मांग और भार में वृद्धि, एचटी एवं एलटी कनेक्शनों तथा विद्युत दुर्घटनाओं से संबंधित विषयों पर भी चर्चा हुई। बैठक में 33 केवी लाइन स्तर पर वितरण हानि, एलटी यूनिट में वृद्धि, डिस्ट्रीब्यूशन लॉस, एटीएंडसी लॉस, असेसमेंट प्रकरणों और बकाया विद्युत देयकों की वसूली की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

प्रबंध निदेशक श्री कंवर ने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए विद्युत लाइनों, वितरण ट्रांसफार्मरों, उपकेंद्रों तथा अन्य विद्युत उपकरणों का नियमित निरीक्षण एवं रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। तकनीकी खामियों की समय रहते पहचान कर सुधारात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि विद्युत आपूर्ति में अनावश्यक व्यवधान न हो।

अन्य जिलों के अधिकारी भी अपनाएं ये कार्यप्रणाली

1. नियमित समीक्षा बैठकें
2. लाइनों एवं ट्रांसफार्मरों का रखरखाव
3. तकनीकी खामियों की पहचान
4. मांग के अनुरूप अधोसंरचना विकास
5. योजनाओं की नियमित निगरानी
6. कृषि पंप एवं नए कनेक्शन
7. स्मार्ट मीटर एवं उपभोक्ता जागरूकता
8. वितरण हानि में कमी
9. लंबित प्रकरणों का निराकरण
10. सुरक्षा एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना
11. राजस्व वसूली का निराकरण

आरडीएसएस के अंतर्गत स्मार्ट मीटर स्थापना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप कार्य करने को कहा गया। स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली एवं बिलिंग के संबंध में उपभोक्ताओं को जानकारी उपलब्ध कराने, स्थापना के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करने तथा शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

ऊर्जा योजनाओं की जानकारी उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के निर्देश

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर के लाभों की जानकारी देने, योजना का प्रभावी प्रचार-प्रसार करने और इच्छुक उपभोक्ताओं को आवेदन प्रक्रिया में मार्गदर्शन उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। वितरण हानियों में कमी लाने के लिए डिस्ट्रीब्यूशन लॉस एवं एटीएंडसी लॉस के कारणों की पहचान कर तकनीकी और वाणिज्यिक सुधारात्मक उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में महाप्रबंधक वित्त श्री नवीन कुमार ठाकुर, राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री हर्ष कुमार मेश्राम, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर, श्री एस.के. बण्ड, श्री खूबचंद खोटे सहित क्षेत्र के सभी कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे।

स्मार्ट मीटर से पारदर्शी बिजली व्यवस्था, उपभोक्ता को खपत की जानकारी और जांच की सुविधा

केंद्रीय विद्युत मंत्रालय से निर्देश जारी, स्मार्ट मीटर लगाना अनिवार्य

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को सटीक और पारदर्शी बिजली बिल मिलेगा। साथ ही, वे अपनी बिजली खपत पर नजर रख सकेंगे। भविष्य में इससे समय आधारित बिजली दर (ToD) का लाभ भी लिया जा सकता है। उपभोक्ता अधिक दर वाले समय के बजाय कम दर वाले समय में बिजली का उपयोग बढ़ाकर अपने बिजली बिल में कमी ला सकते हैं। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय ने 12 अगस्त 2026 को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। विद्युत मंत्रालय के पत्र के अनुसार, जहां संचार नेटवर्क उपलब्ध है, वहां सभी उपभोक्ताओं को भारतीय मानकों के अनुरूप स्मार्ट मीटर के माध्यम से बिजली आपूर्ति की जानी है। स्मार्ट मीटर लगाना आवश्यक है।

स्मार्ट मीटर से बिजली वितरण कंपनी को बिजली की खपत का सही लेखा-जोखा रखने और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में भी मदद मिलेगी। विद्युत मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य जारी रखने और उसमें तेजी लाने को कहा है। इसी निर्देश के तहत देश के दक्षिण भाग में स्थित राज्यों केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु एवं उत्तर में हिमाचल प्रदेश तथा मध्य प्रांतों में छत्तीसगढ़ सहित झारखंड एवं अन्य राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

स्मार्ट मीटर की रीडिंग 100 प्रतिशत सटीक, चेक मीटर से हुई पुष्टि

छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटरों की स्थापना, तकनीकी जांच और बिजली खपत के आंकड़ों के विश्लेषण के माध्यम से बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। स्मार्ट मीटर की रीडिंग को लेकर उपभोक्ताओं की शंकाओं के समाधान के लिए चेक मीटर लगाने, भिलाई स्थित एन.ए.बी.एल. टेस्टिंग लैब में उपभोक्ता के समक्ष परीक्षण कराने तथा 'मोर बिजली' ऐप और स्मार्ट मीटर वेब पोर्टल के माध्यम से खपत देखने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटरों की तकनीकी जांच में इनकी रीडिंग पूरी तरह सटीक पाई गई है। प्रदेशभर में स्मार्ट मीटर के साथ समानांतर 'चेक मीटर' लगाकर रीडिंग का मिलान किया गया, जिसमें सभी मामलों में दोनों मीटरों की रीडिंग एक समान रही। जांच में किसी भी स्मार्ट मीटर में तकनीकी त्रुटि अथवा बिना विद्युत का उपयोग किए रीडिंग बढ़ने का प्रमाण नहीं मिला है।1 अक्टूबर की स्थिति में लगभग

पीएम सूर्यघर योजना से बिजली बिल में कमी

पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर प्लांट लगाने वाले उपभोक्ताओं को दोहरा लाभ मिल रहा है। ऐसे उपभोक्ताओं का बिजली बिल लगभग शून्य अथवा अपेक्षाकृत काफी कम हुआ है।

अब तक पीएम सूर्यघर योजना के तहत प्रदेश के लाभार्थी उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार द्वारा 661 करोड़ रुपये तथा राज्य सरकार द्वारा 225 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। 1 अक्टूबर की स्थिति में प्रदेश में अब तक 1 लाख 11 हजार 713 सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें से 35 हजार से अधिक सोलर उपभोक्ताओं के बिल जीरो आ रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में 60 हजार से अधिक लाभार्थी उपभोक्ता मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जनअभियान योजना का लाभ ले रहे हैं।

पीएम सूर्यघर योजना के प्रति बढ़ते रुझान के चलते प्रदेश में अब प्रतिदिन 500 से अधिक सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। ऐसे उपभोक्ता जो 400 यूनिट से अधिक मासिक खपत के कारण मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जनअभियान योजना का लाभ नहीं ले पा रहे थे, वे भी तेजी से सूर्यघर योजना के तहत सोलर प्लांट लगाकर योजना की सब्सिडी के साथ मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जनअभियान योजना का दोहरा लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अनेक उपभोक्ताओं के सोलर प्लांट लगने से उनके बिजली बिल में कमी आई है और वे निचले वाले स्लैब में शिफ्ट हुए हैं। इससे 200 यूनिट और 400 यूनिट खपत करने वाले उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि हुई है।

प्रदेश में मासिक खपतवार घरेलू उपभोक्ता विवरण

मासिक खपत (यूनिट)	उपभोक्ता संख्या जुलाई 2025–26	उपभोक्ता संख्या जुलाई 2026–27
200 से कम	41.4 लाख	42.4 लाख
200–400	6.85 लाख	7.34 लाख
400 से अधिक	2.71 लाख	2.56 लाख

निष्कर्ष: 400 यूनिट से अधिक मासिक खपत करने वाले उपभोक्ता पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर प्लांट लगाकर 400 यूनिट से कम खपत के दायरे में शामिल हुए हैं एवं 200 से 400 यूनिट वाले स्लैब के उपभोक्ता 200 से कम यूनिट वाले स्लैब में आ गए हैं।

43 लाख उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इनमें से 7,780 उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट मीटर के साथ चेक मीटर भी लगाया गया है। इन सभी परिसरों में चेक मीटर और स्मार्ट मीटर में दर्ज खपत का अंतर निर्धारित मानक सीमा के भीतर ही पाया गया है। उपभोक्ता के अनुरोध पर स्मार्ट मीटर की भिलाई स्थित एन.ए.बी.एल. टेस्टिंग लैब में उसके समक्ष जांच करने का भी प्रावधान है। 7 सितंबर तक लगभग 74 स्मार्ट मीटरों का उपभोक्ताओं के समक्ष टेस्टिंग लैब में परीक्षण किया गया है तथा सभी स्मार्ट मीटरों द्वारा सही खपत दर्ज की गई है। स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद बिजली खपत अथवा बिल बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि मीटर गलत बिल बना रहा है। बिजली खपत मौसम, घरेलू उपकरणों के उपयोग, उपभोक्ता की वास्तविक खपत तथा अन्य परिस्थितियों के कारण बदलती रहती है। बिजली बिल का मूल्यांकन केवल मीटर लगाने से पहले और बाद की रकम की तुलना से नहीं, बल्कि वास्तविक यूनिट खपत के आधार पर किया जाना चाहिए।

रायपुर संभाग के 3 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के डेटा विश्लेषण से स्पष्ट हुआ है कि बिजली बिलों में वृद्धि का कारण मीटर नहीं, बल्कि ग्रीष्म ऋतु में एयर कंडीशनर व अन्य भारी उपकरणों का अधिक संचालन था। मौसम बदलने के साथ जुलाई माह तक फरवरी माह की तुलना में गर्मी के दौरान दर्ज खपत के मुकाबले कम खपत दर्ज होती है। अगस्त 2026 में इन्हीं उपभोक्ताओं की बिजली खपत में मई 2026 की तुलना में 32 से 57 प्रतिशत तक की स्वाभाविक गिरावट दर्ज की गई, जो यह दर्शाती है कि बिलिंग वास्तविक विद्युत उपयोग पर आधारित है।

स्मार्ट मीटर एवं इलेक्ट्रॉनिक मीटर के आंकड़ों के अनुसार मार्च, अप्रैल, मई एवं जून 2026 में उपभोक्ताओं के परिसरों में विद्युत खपत अधिक दर्ज होने का मुख्य कारण एयर कंडीशनर, कूलर, व्हीकल चार्जिंग एवं वाटर पंप का उपयोग पाया गया है। स्मार्ट मीटर लगने से मानवीय भूल (Human Error) और मीटर रीडर की मनमानी समाप्त हो रही है। अब उपभोक्ता अपने दैनिक बिजली उपयोग को रियल-टाइम ट्रैक कर सकते हैं। 'मोर बिजली' मोबाइल ऐप और स्मार्ट मीटर वेब पोर्टल के माध्यम से अपनी प्रतिदिन और प्रत्येक 30 मिनट की बिजली खपत को स्वयं लाइव देखा जा सकता है। इससे अवांछित खपत की तुरंत पहचान संभव है।

पीएम सूर्यघर योजना से उपभोक्ताओं को दोहरा लाभ

छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर और प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के माध्यम से आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए ऊर्जा क्षेत्र में सुधार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। स्मार्ट मीटर से बिजली खपत की पारदर्शी निगरानी संभव हो रही है, वहीं पीएम सूर्यघर योजना के माध्यम से घरेलू उपभोक्ता सौर ऊर्जा का लाभ लेकर बिजली बिल में कमी के साथ केंद्र एवं राज्य सरकार की सब्सिडी का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

प्रदेश में कुल 52 लाख 28 हजार घरेलू उपभोक्ता हैं, जिनमें से 47 लाख से अधिक उपभोक्ता मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जनअभियान योजना का लाभ ले रहे हैं। वर्ष 2025-26 में 200 यूनिट से कम मासिक खपत वाले उपभोक्ताओं की संख्या 41.40 लाख, 200 से 400 यूनिट वाले उपभोक्ताओं की संख्या 6.85 लाख तथा 400 यूनिट से अधिक खपत वाले उपभोक्ताओं की संख्या 2.71 लाख थी। वर्ष 2026-27 में क्रमशः इनकी संख्या 42.40 लाख, 7.34 लाख और 2.56 लाख है। इस प्रकार विगत वर्ष की तुलना में मासिक खपत में अप्रत्याशित वृद्धि नहीं हुई है। यह सामान्य वार्षिक ग्रोथ के अनुसार ही है। खपत की वृद्धि स्मार्ट मीटर और गैर-स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं में एक ही अनुपात में है।

चेक मीटर से हुआ स्मार्ट मीटर की रीडिंग का सत्यापन



रामपुर नवागांव, खैरागढ़। उपभोक्ता श्री पूरन राम वर्मा के परिसर में स्मार्ट मीटर की रीडिंग की सत्यता जांचने के लिए 20 जुलाई 2026 को चेक मीटर लगाया गया।
जांच में:
स्मार्ट मीटर रीडिंग : **356** यूनिट
चेक मीटर रीडिंग : **356** यूनिट
दोनों मीटरों की रीडिंग समान पाई गई। मौके पर किए गए सत्यापन से स्मार्ट मीटर की रीडिंग एवं कार्यप्रणाली की पुष्टि हुई।

स्मार्ट मीटर की रीडिंग का सत्यापन बिल संबंधी शिकायत का समाधान



इतवारी बाजार, खैरागढ़। उपभोक्ता श्री अशोक कुमार यादव ने बिजली बिल अधिक आने को लेकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के सत्यापन के लिए 1 अगस्त 2026 को उनके परिसर में चेक मीटर लगाकर स्मार्ट मीटर की रीडिंग का मिलान किया गया।
जांच में: स्मार्ट मीटर रीडिंग – **10** यूनिट
चेक मीटर रीडिंग – **10** यूनिट
दोनों मीटरों की रीडिंग समान पाई गई। जांच प्रक्रिया से संतुष्ट होकर श्री यादव ने शिकायत के उचित एवं पारदर्शी निराकरण पर संतोष व्यक्त किया।

स्मार्ट मीटर की रीडिंग का सत्यापन दोनों मीटरों में समान मिली रीडिंग



छुईखदान, टिकरीपारा । उपभोक्ता श्रीमती कली बाई के परिसर में 20 जुलाई 2026 को चेक मीटर लगाकर स्मार्ट मीटर की रीडिंग का सत्यापन किया गया।
स्मार्ट मीटर रीडिंग : **356** यूनिट
चेक मीटर रीडिंग : **356** यूनिट
जांच में दोनों मीटरों की रीडिंग समान पाई गई। इस तरह मौके पर चेक मीटर के माध्यम से स्मार्ट मीटर की रीडिंग का सत्यापन किया गया।

प्रदेश में मजबूत हो रहा विद्युत पारेषण नेटवर्क, तीन उपकेंद्रों और लाइन से बढ़ेगी आपूर्ति की विश्वसनीयता

छत्तीसगढ़ में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और विश्वसनीय बनाने की दिशा में स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की हैं। राजधानी रायपुर के दलदलसिवनी में 220 केवी उपकेंद्र, बेमेतरा जिले के बेतर (दाढ़ी) में 132/33 केवी उपकेंद्र तथा दुर्ग जिले के जामगांव आर में 132/33 केवी उपकेंद्र का ऊर्जीकरण किया गया। इसके साथ ही पाटन-अमलेश्वर 132 केवी सर्किट-1 की चार्जिंग एवं कमीशनिंग भी सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं पावर कंपनीज के चेयरमैन श्री सुबोध कुमार सिंह ने अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने इसे राजधानी रायपुर की विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इन परियोजनाओं से राजधानी के घरेलू, गैर-घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ताओं सहित बेमेतरा, कवर्धा, पाटन तथा दुर्ग जिले के आसपास के क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। पारेषण अधोसंरचना के विस्तार से वर्तमान विद्युत मांग के बेहतर प्रबंधन के साथ भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने में भी मदद मिलेगी।



220 केवी सबस्टेशन दलदल सिवनी।

राजधानी की विद्युत व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण उपकेंद्र



राजधानी के बीचोंबीच स्थित यह उपकेंद्र इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोरबा (मड़वा) से आने वाली बिजली को पहले 400 केवी की लाइनों के माध्यम से 400 केवी उपकेंद्र तक लाया जाता है। इसके बाद इसे 220 केवी की लाइन एवं उपकेंद्र से होते हुए 132 केवी की लाइन एवं उपकेंद्र तक पहुंचाया जाता है। फिर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के 33 केवी और 11 केवी उपकेंद्रों से एलटी लाइनों के माध्यम से घरेलू उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचाई जाती है। उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए शहर में एक बड़े उपकेंद्र की आवश्यकता थी।

श्री राजेश कुमार शुक्ला,
प्रबंध निदेशक छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी

शहर और औद्योगिक क्षेत्रों को मिलेगा लाभ



पहले राजधानी की विद्युत आपूर्ति डोमा स्थित 220 केवी उपकेंद्र से होती थी, जो शहर से अधिक दूरी पर स्थित था। अब दलदलसिवनी उपकेंद्र के जुड़ने से विद्युत आपूर्ति व्यवस्था और सुदृढ़ हुई है। इस उपकेंद्र से वर्तमान में 132 केवी की दो लाइनें कचना और उरला में विद्युत आपूर्ति के लिए निकाली गई हैं। इसके साथ ही 33 केवी की आठ फीडर लाइनें भी निकाली जाएंगी। इनमें से सात फीडर रायपुर शहर तथा एक फीडर रायपुर ग्रामीण क्षेत्र के लिए होगी।

श्री भीम सिंह कंवर,
प्रबंध निदेशक छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी रायपुर



राजधानी की 40 प्रतिशत आबादी को बेहतर बिजली आपूर्ति करने वाला उपकेंद्र ऊर्जीकृत

राजधानी रायपुर की 40 प्रतिशत आबादी को बेहतर बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 220 केवी के नए उपकेंद्र को 9 सितंबर को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से दलदलसिवनी में निर्मित इस बड़े उपकेंद्र से शहर की ढाई लाख से अधिक घरेलू, गैर-घरेलू तथा औद्योगिक विद्युत मांग को विश्वसनीय और सुदृढ़ तरीके से पूरा किया जा सकेगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने उपकेंद्र का स्विच ऑन कर उसे ऊर्जीकृत किया। इस उपकेंद्र में 160 एमवीए क्षमता का एक ट्रांसफार्मर तथा 63 एमवीए क्षमता के दो ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किए गए। इसके अतिरिक्त, 160 एमवीए क्षमता का एक और ट्रांसफार्मर दो महीने में स्थापित कर लिया जाएगा। इस परियोजना में 220 केवी की साढ़े चार किलोमीटर लंबी नई मल्टीसर्किट लाइन भी शामिल है। इसके माध्यम से भविष्य में 132 केवी की दो और लाइनें निकाली जा सकेंगी। इससे सिलतरा, मंदिर हसौद और नवा रायपुर को लाभ मिल सकेगा। यह उपकेंद्र लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में बनाया गया है। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सर्वश्री एम.एस. चौहान, के.एस. मनोठिया, संजय पटेल एवं वी.के. दीक्षित; मुख्य अभियंता सर्वश्री अब्राहम वर्गीस, प्रसन्ना गोसावी, संजय तिवारी, संजीव सिंह एवं अनीस लखेरा; अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आर.के. तिवारी; अधीक्षण अभियंता श्रीमती पुष्पा पिल्लई तथा सर्वश्री वी.ए. देशमुख, एम. विश्वकर्मा, करुणेश यादव, धरमजीत भट्ट, विक्रम मंधान एवं धनेश देवांगन उपस्थित थे।

इसके अलावा कार्यपालन अभियंता सर्वश्री उमाकांत यादव, सुचिंद्र उइके, जितेंद्र झा, प्रदीप साहू, अनिल द्विवेदी, अखिलेश गजपाल, अभिषेक दीवान, अमृता महाजन एवं रोहित वर्मा तथा सहायक अभियंता सर्वश्री सुरेश वर्मा, प्रबोल मिन्ना, पी.के. तिवारी, अरुण एंटोनी, नैनेश गोटे एवं रामकुमार ठाकुर भी उपस्थित थे।

ट्रांसमिशन कंपनी ने एक ही दिन में हासिल कीं दो महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने विद्युत पारेषण व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की दिशा में 30 सितंबर को दो महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल कीं। दुर्ग जिले के पाटन क्षेत्र में नवनिर्मित 132/33 केवी उपकेंद्र, जामगांव आर को 30 सितंबर 2026 को सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत एवं कमीशन किया गया। इसके बाद 220/132/33 केवी उपकेंद्र, पाटन में नवनिर्मित 132 केवी लाइन बे के माध्यम से 132 केवी पाटन-अमलेश्वर सर्किट-1 की चार्जिंग एवं कमीशनिंग भी सफलतापूर्वक की गई।

जामगांव आर उपकेंद्र का सफल ऊर्जीकरण : जामगांव आर स्थित नवनिर्मित 132/33 केवी उपकेंद्र को 30 सितंबर को प्रातः 11:58 बजे छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने ऊर्जीकृत कर कमीशन किया। इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी, अभियंता, कर्मचारी तथा परियोजना से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पाटन-अमलेश्वर सर्किट-1 की चार्जिंग एवं कमीशनिंग : 132 केवी पाटन-अमलेश्वर सर्किट-1 को उसी दिन दोपहर 2:08 बजे पाटन स्थित 220/132/33 केवी उपकेंद्र में नवनिर्मित 132 केवी लाइन बे से सफलतापूर्वक चार्ज एवं कमीशन किया गया। यह कार्य 132 केवी लाइनों के पुनर्विन्यास योजना के अंतर्गत किया गया है। जामगांव आर उपकेंद्र की सफल कमीशनिंग के कुछ ही घंटे बाद इस सर्किट की कमीशनिंग होना पारेषण व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की



220 केवी सबस्टेशन दलदल सिवनी ऊर्जीकरण

दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मिलेगी मजबूती : जामगांव आर में नवनिर्मित 132/33 केवी उपकेंद्र की स्थापना से पाटन तथा दुर्ग जिले के आसपास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वहीं, पाटन-अमलेश्वर 132 केवी सर्किट-1 की कमीशनिंग से क्षेत्र की पारेषण व्यवस्था को अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। जामगांव आर उपकेंद्र के निर्माण के लिए स्वीकृत परियोजना में 2×40 एमवीए क्षमता का 132/33 केवी उपकेंद्र शामिल है। परियोजना के अंतर्गत पाटन-जामगांव 132 केवी लाइन तथा पाटन उपकेंद्र में अतिरिक्त 132 केवी फीडर बे से संबंधित कार्य भी स्वीकृत किए गए थे।

अधिकारी-कर्मचारी रहे उपस्थित : इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एम.एस. चौहान, श्री के.एस. मनोठिया, श्री संजय पटेल एवं श्री वी.के. दीक्षित; कार्यपालक निदेशक (दुर्ग क्षेत्र) श्री शिरीष शैलेट; मुख्य अभियंता (सिविल) श्री संजय तिवारी, श्री अब्राहम वर्गीस एवं श्री प्रसन्ना गोस्वामी; अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आई.एस. कंवर, श्री आर.के. तिवारी एवं श्री पी.पी. सिंह; अधीक्षण अभियंता श्री सुनील के. भुआर्या, श्री करुणेश यादव, श्री विक्रम मंधान, श्री पुष्पा पिल्लई एवं श्री कंचन हिशीकर उपस्थित रहे।

इसके अलावा परियोजना, ईएचटी निर्माण एवं संधारण, उपकेंद्र संचालन एवं संधारण, सिविल तथा सीएंडटीएम से जुड़े अधिकारी, अभियंता, कर्मचारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रदेश में मजबूत हो रहा पावर ट्रांसमिशन नेटवर्क, बेमेतरा में नया 132 केवी उपकेंद्र ऊर्जीकृत

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने प्रदेश की पारेषण व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। बेमेतरा जिले के बेतर (दाढ़ी) में नवनिर्मित 132/33 केवी उपकेंद्र को 1 सितंबर को प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने ऊर्जीकृत किया। उपकेंद्र में स्थापित 40-40 एमवीए क्षमता के दोनों पावर ट्रांसफार्मरों को भी सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किया गया। दोनों ट्रांसफार्मरों के ऊर्जीकरण से उपकेंद्र में कुल 80 एमवीए की ट्रांसफॉर्मेशन कैपेसिटी उपलब्ध हुई है।

नए उपकेंद्र के निर्माण से बेमेतरा जिले के 72 तथा कवर्धा जिले के 25 गांवों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बढ़ती विद्युत



मांग के अनुरूप विद्युत भार का बेहतर प्रबंधन संभव होगा। साथ ही, क्षेत्र के घरेलू, कृषि एवं अन्य उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। नए उपकेंद्र की कुल परियोजना लागत लगभग 25 करोड़ रुपये है।

नई पारेषण लाइन से नेटवर्क से जुड़ा उपकेंद्र : इस उपकेंद्र को विद्युत आपूर्ति से जोड़ने के लिए 220 केवी उपकेंद्र गेन्दपुर से 132 केवी उपकेंद्र की ओर जाने वाली पारेषण लाइन को एलआईएलओ (LILO—Loop In Loop Out) किया गया है। इसके लिए लगभग 8.8 करोड़ रुपये की लागत से पांच किलोमीटर लंबी नई पारेषण लाइन का निर्माण किया गया। इस व्यवस्था से नए उपकेंद्र को पारेषण नेटवर्क से जोड़ा गया है, जिससे क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता एवं पारेषण क्षमता में वृद्धि होगी।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश : इस अवसर पर उपकेंद्र परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। प्रबंध निदेशक सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।



डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने किया विद्युत अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण, उपकेंद्रों की क्षमता बढ़ाई

भाटा, गोटाटोला और इंदिरा विहार में क्षमता वृद्धि से हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (CSPDCL) द्वारा उपभोक्ताओं की बढ़ती बिजली आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्युत उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि और अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में भाटा, गोटाटोला और इंदिरा विहार के विद्युत उपकेंद्रों की क्षमता बढ़ाई गई है। इन कार्यों से संबंधित क्षेत्रों के हजारों घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बेहतर और अधिक विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा।



उपकेंद्र भाटा में पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाकर 5 एमवीए

बिलासपुर। वितरण केंद्र फास्टरपुर के अंतर्गत 33/11 केवी उपकेंद्र भाटा में पावर ट्रांसफार्मर की स्थापित क्षमता 3.15 एमवीए से बढ़ाकर 5 एमवीए कर दी गई है। क्षमता वृद्धि के पश्चात उपकेंद्र को 24 सितंबर को सफलतापूर्वक चार्ज कर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया। इस कार्य से भाटा, भूरका, सिपाही, सेमरकोना, बेलसरी, पंडोतरा एवं कोसमतरा सहित सात गांवों के लगभग 2,000 विद्युत उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्थ ने कहा कि विद्युत अधोसंरचना का सुदृढ़ीकरण एवं क्षमता वृद्धि उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री यू.के. सोनवानी एवं श्री एन.के. सोनी, सहायक अभियंता श्रीमती आशा सोनवानी एवं श्री हरिनारायण लहरी तथा कनिष्ठ अभियंता श्री उपेन्द्र कश्यप उपस्थित थे।

गोटाटोला में उपकेंद्र की क्षमता बढ़कर 8.15 एमवीए हुई

राजनांदगांव। क्षेत्रीय कार्यालय के तहत मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के गोटाटोला क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ग्राम गोटाटोला स्थित 33/11 केवी उपकेंद्र में 3.15 एमवीए क्षमता के पावर ट्रांसफार्मर को बदलकर 5 एमवीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। नवस्थापित ट्रांसफार्मर को राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री हर्ष कुमार मेश्राम ने 27 अगस्त को ऊर्जीकृत किया। क्षमता उन्नयन के फलस्वरूप उपकेंद्र की कुल स्थापित क्षमता 6.30 एमवीए से बढ़कर 8.15 एमवीए हो गई है। इससे गोटाटोला क्षेत्र के 23 गांवों के लगभग 3,069 कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को बेहतर और अधिक विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की, अधीक्षण अभियंता (राजनांदगांव वृत्त) श्री शंकेश्वर कंवर, कार्यपालन अभियंता श्री अनिल कुमार रामटेके (मोहला), श्री मुकेश कुमार साहू (परियोजना) एवं श्री एन.के. साहू (एसटीएम), सहायक अभियंता श्री शिरीष कुमार मिलिंद, श्रीमती श्वेता वर्मा तथा सुश्री नेहा गढ़पायले सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



इंदिरा विहार सब स्टेशन की क्षमता 5 से बढ़कर 8 एमवीए



बिलासपुर। सरकंडा जोन के अंतर्गत इंदिरा विहार सब स्टेशन की क्षमता 21 सितंबर को 5 एमवीए से बढ़ाकर 8 एमवीए कर दी गई है। इस क्षमता वृद्धि का लाभ नूतन चौक, नूतन कॉलोनी, इंदिरा विहार, बंधवापारा, कृष्णा विहार और फ्रेंड्स कॉलोनी सहित आसपास के अनेक क्षेत्रों को मिलेगा। इन क्षेत्रों के लगभग 4,000 उपभोक्ता इस कार्य से सीधे लाभान्वित होंगे। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्थ ने बताया कि पावर कंपनी उपभोक्ताओं की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्युत उपकेंद्रों, ट्रांसफार्मरों एवं अन्य विद्युत अधोसंरचनाओं की क्षमता वृद्धि और सुदृढ़ीकरण के कार्य कर रही है।

132 केवी एसआरवी फीडर सफलतापूर्वक चार्ज



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (सी ए स पी डी सी ए ल) के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से 6 अक्टूबर 2026 को 132 केवी एसआरवी फीडर को शाम 20:28 बजे 132 केवी सबस्टेशन डोंगरगाँव में सफलतापूर्वक चार्ज किया गया। इस अवसर पर डीई श्री जे.एल. साहू एवं डीई श्री एम.आर. शेख सहित छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अनेक अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। फीडर की सफल चार्जिंग संबंधित तकनीकी कार्यों के समन्वित निष्पादन को दर्शाती है। इस कार्य में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से निर्धारित समय पर चार्जिंग की प्रक्रिया पूरी की गई।

विद्युत विकास कार्यों की सांसद संतोष पाण्डे ने की समीक्षा

राजनांदगांव। राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री संतोष पाण्डे ने 1 सितम्बर को सर्किट हाउस, राजनांदगांव में विद्युत कंपनी के मैदानी



अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि श्री रूपचंद भीमनानी, राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री हर्ष कुमार मेश्राम, कवर्धा वृत्त के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री रंजीत घोष, राजनांदगांव वृत्त के अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर तथा क्षेत्र के कार्यपालन अभियंता उपस्थित रहे।

सहसपुर में उपकेंद्र का लोकार्पण, नौ गांवों को लाभ



दुर्ग। बेमेतरा संभाग के ग्राम सहसपुर में नवनिर्मित 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण 31 अगस्त 2026 को दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री विजय बघेल ने किया। लगभग 2 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से तैयार इस उपकेंद्र से सहसपुर, लुक, नवकेसा, लालपुर, बुंदेली, रुसे, पेंड्रावन, गाड़ाडीह एवं गोदमर्रा सहित नौ गांवों के हजारों उपभोक्ताओं और किसानों को लाभ मिलेगा। इस अवसर पर विधायक ईश्वर साहू, तेलघानी बोर्ड आयोग के अध्यक्ष श्री जितेन्द्र साहू सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण, विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता श्री ए.डी. टंडन एवं श्री एम.के. शुक्ला तथा सहायक अभियंता श्री जी.पी. बंजारे एवं श्री बी.के. कोशले उपस्थित थे।

राजस्व वसूली में तेजी लाने और स्मार्ट मीटर कार्यों की समीक्षा के निर्देश



बिलासपुर। बिलासपुर क्षेत्र के अधीक्षण अभियंताओं एवं कार्यपालन अभियंताओं की राजस्व संबंधी विषयों की समीक्षा बैठक 8 सितम्बर को आयोजित की गई। बैठक में राजस्व वसूली, बकाया राशि, विद्युत बिलिंग, लंबित प्रकरणों तथा स्मार्ट मीटर की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में क्षेत्रवार राजस्व संग्रहण की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व प्राप्ति सुनिश्चित करने, बकायादार उपभोक्ताओं से लंबित राशि की वसूली में तेजी लाने तथा बिलिंग व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

स्मार्ट मीटर की स्थापना एवं उससे संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। इसमें स्मार्ट मीटर की स्थापना, मीटर रीडिंग, बिलिंग प्रक्रिया, उपभोक्ताओं की शंकाओं एवं शिकायतों के निराकरण तथा स्मार्ट मीटर से प्राप्त आंकड़ों के प्रभावी उपयोग पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने विद्युत खपत की सटीक निगरानी, पारदर्शी बिलिंग तथा उपभोक्ताओं को वास्तविक खपत के अनुरूप बिल उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

बैठक में मुख्य अभियंता (राजस्व) श्री राजेन्द्र प्रसाद, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री बी.एल. वर्मा, बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्थ, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री वाय.के. मनहर, अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश जांगडे, श्री पी.एल. सिदार, श्री आर.के. झा, श्री आर.के. सोनकर तथा रीजन के समस्त कार्यपालन अभियंता एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे।



स्काडा सेंटर से अब रिमोट ऑपरेशन, फाल्ट वाले हिस्से की ही बंद होगी बिजली

बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक सुचारु और प्रभावी बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने रायपुर और दुर्ग-भिलाई-चरोदा के स्काडा/डीएमएस सेंटर की रिमोट ऑपरेशन सुविधा को अपग्रेड किया है। इससे बिजली लाइन या फीडर में फाल्ट आने पर पूरे इलाके की बिजली बंद करने के बजाय प्रभावित हिस्से को रिमोट के जरिए अलग किया जा सकेगा। इससे फाल्ट सुधारने के दौरान अन्य फीडरों से जुड़े क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति चालू रखने में मदद मिलेगी।

डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने 16 अक्टूबर को रायपुर स्थित स्काडा/डीएमएस सेंटर में उपस्थित होकर रिमोट ऑपरेशन का परीक्षण किया। इस दौरान 33/11 केवी दलदलसिवनी सबस्टेशन के 11 केवी दयानगर फीडर तथा 33/11 केवी खमतराई सबस्टेशन के 11 केवी गणेश मंदिर और शिव मंदिर फीडरों को रिमोट माध्यम से बंद और चालू करके जांचा गया, जिसका परीक्षण सफल रहा। इसके बाद प्रबंध निदेशक ने रायपुर और दुर्ग-भिलाई-चरोदा के स्काडा नियंत्रण केंद्रों से आवश्यकतानुसार रिमोट ऑपरेशन फिर से करने के निर्देश दिए। स्काडा सेंटर के माध्यम से नियंत्रण कक्ष में बैठे-बैठे फाल्ट से संबंधित क्षेत्र की पहचान कर आवश्यकतानुसार संबंधित फीडर या हिस्से को बंद किया जा सकेगा। पहले फाल्ट का स्थान पता लगाने के लिए बिजलीकर्मियों को मौके पर पेट्रोलिंग करनी पड़ती थी। रिमोट ऑपरेशन की सुविधा से फाल्ट वाले हिस्से को अलग कर सुधार कार्य करने और शेष क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बनाए रखने में सहूलियत होगी। केंद्र प्रवर्तित आरएपीडीआरपी (RAPDRP) योजना के अंतर्गत रायपुर और दुर्ग-भिलाई-चरोदा में स्काडा/डीएमएस सेंटर स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों से संबंधित शहरों के 33/11 केवी सबस्टेशनों और 11 केवी फीडरों का नियंत्रण किया जाता है। इस प्रणाली के माध्यम से रायपुर के 283 और दुर्ग-भिलाई क्षेत्र के 160 फीडरों का रिमोट ऑपरेशन किया जा सकेगा।

साइबर सुरक्षा संबंधी कारणों से 20 मार्च 2024 को रायपुर और दुर्ग-भिलाई-चरोदा की स्काडा/डीएमएस प्रणाली से रिमोट ऑपरेशन अस्थायी रूप से बंद करने के निर्देश दिए गए थे। पावर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर के मार्गदर्शन में नियंत्रण केंद्रों के हार्डवेयर, फायरवॉल और एंटीवायरस का उन्नयन किया गया। बाह्य ऑडिट एजेंसी से साइबर सुरक्षा ऑडिट कराया गया तथा ऑडिट में सामने आए अतिमहत्वपूर्ण बिंदुओं के अनुपालन के बाद प्रणाली को रिमोट ऑपरेशन के लिए सक्षम बनाया गया।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (ईआईटीसी) श्री ए.एम. परियल, मुख्य अभियंता (रायपुर शहर क्षेत्र) श्री संजीव सिंह, महाप्रबंधक (वित्त) श्री नवीन कुमार ठाकुर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सीएसडीसी) श्रीमती शारदा रानी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (ईआईटीसी) श्री जी.के. गंगवानी, कार्यपालन अभियंता श्री प्रशांत कुमार, श्री खिलेंद्र तुमरेकी, श्री शिव कुमार गुप्ता और श्री मुकेश शुक्ला, सहायक अभियंता श्री आनंद कुमार वर्मा, श्री कमलेश कुमार ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।



अभियंता दिवस पर विद्युत व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने का लिया संकल्प





छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ मुख्यालय, रायपुर में महान अभियंता एवं भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार, ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री भीम सिंह कंवर ने सर विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि सर विश्वेश्वरैया का अभियंत्रिकी के क्षेत्र में योगदान और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण आज भी देश के अभियंताओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

राजनांदगांव में याद किए गए विश्वेश्वरैया

अभियंता दिवस के अवसर पर 15 सितंबर को राजनांदगांव क्षेत्र में गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री हर्ष कुमार मेश्राम ने भारत रत्न एवं महान अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री अश्वनी गौराहा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री मंगल तिर्की एवं श्री बी.के. कुमरे, अधीक्षण अभियंता श्री शंकेश्वर कंवर, श्री खूबचंद खोटे, श्री एस.के. बण्ड, श्री सुनील भुआर्य सहित राजनांदगांव क्षेत्र के समस्त कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे। मुख्य अभियंता श्री हर्ष कुमार मेश्राम ने अभियंता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अभियंता किसी भी राष्ट्र के विकास की तकनीकी रीढ़ होते हैं। विद्युत क्षेत्र में अभियंताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि विद्युत केवल एक सेवा नहीं, बल्कि कृषि, उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रत्येक क्षेत्र के विकास की आधारभूत आवश्यकता है।

एचटीपीएस में ओजोन परत संरक्षण दिवस पर जनजागरूकता कार्यक्रम

कोरबा पश्चिम। हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में 16 सितंबर को ओजोन परत संरक्षण दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एच.के. सिंह ने ओजोन परत को पृथ्वी के लिए प्राकृतिक सुरक्षा कवच बताते हुए इसके संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता पर जोर दिया। संयंत्र में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। ओजोन परत संरक्षण विषय पर आयोजित नारा प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों श्री आलोक कुमार राव्रे, श्री मनोज पटेल और सूर्य श्री प्रकाश जायसवाल को कार्यपालक निदेशक श्री एच.के. सिंह ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन सहायक प्रबंधक (पर्यावरण) श्री विकास उईके ने किया। इस अवसर पर अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एम.के. गुप्ता, के.एन.बी. राव, ए.के. शाह एवं एस.के. नायर तथा पाली रसायनज्ञ श्री प्रदीप देवांगन उपस्थित थे।



ऊर्जा कंपनी के खिलाड़ियों का टेबल टेनिस संगम



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की मेजबानी में राष्ट्रीय प्रतियोगिता का भव्य आयोजन; बहुभाषी मंच संचालन ने बढ़ाई समारोह की गरिमा

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की मेजबानी में रायपुर में आयोजित 48वीं अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026 खेल प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी सौहार्द, सांस्कृतिक विविधता और उत्कृष्ट आयोजन का संगम बनी। 6 से 8 सितंबर तक चले इस राष्ट्रीय आयोजन में देशभर की विद्युत कंपनियों की टीमों ने हिस्सा लिया। सुव्यवस्थित आयोजन, खिलाड़ियों के उत्साह और विभिन्न भारतीय भाषाओं में आत्मीय स्वागत के लिए मंच संचालन ने समारोह को विशेष पहचान दी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज द्वारा आयोजित 48वीं अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ पावर कंपनी के प्रबंध निदेशक (जनरेशन) श्री संजीव कुमार कटियार एवं प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री भीम सिंह कंवर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पावर कंपनीज मुख्यालय परिसर स्थित महिला मंडल भवन के टेबल टेनिस हॉल में आयोजित उद्घाटन समारोह में केंद्रीय क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक समिति के महासचिव तथा कार्यपालक निदेशक (वित्त) श्री एम.एस. चौहान, कार्यपालक निदेशक (पीसी एंड आरए) एवं अखिल भारतीय विद्युत स्पोर्ट्स नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष श्री के.एस. मनोठिया तथा मुख्य अभियंता, रायपुर क्षेत्र श्री संजीव सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात कार्यपालन अभियंता श्री आशीष अग्निहोत्री ने देशभर से पहुंची सभी नौ टीमों के खिलाड़ियों को खेल की शपथ दिलाई। प्रतियोगिता में केपीटीसीएल, सीएसईसी (कोलकाता), आंध्र प्रदेश ट्रांसको, तेलंगाना ट्रांसको, केपीसीएल, तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, असम, उत्तर प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी की टीमों के बीच मुकाबले हुए। तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में टीम इवेंट, पुरुष एकल और पुरुष युगल श्रेणियों के मैच खेले गए। समारोह का संचालन उप महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविंद सिंह पटेल ने किया तथा श्री राजेश सिंह ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक श्री पंकज सिंह परमार,

सचिव श्री विनय चंद्राकर, चीफ रेफरी श्री प्रवीण निरापूरे, सहायक मुख्य रेफरी श्री प्रणय नन्द मजुमदार, सहायक अभिंता श्री रजनीश चौबे, श्री ओमकार चंद्राकर सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

बहुभाषी स्वागत ने बढ़ाई राष्ट्रीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता के शुभारंभ की गरिमा और उत्साह

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बहुभाषी मंच संचालन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आई टीमों के मैनेजरों को अतिथियों के स्वागत के लिए मंच पर आमंत्रित करने का अंदाज समारोह को आत्मीयता और अपनत्व से भर गया।

मंच संचालन कर रहे श्री गोविंद सिंह पटेल ने प्रत्येक टीम के प्रतिनिधि को उनकी स्थानीय बोली अथवा भाषा में स्वागत करते हुए आमंत्रित किया और साथ ही हिंदी में उसका भाव भी प्रस्तुत किया। विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ी और टीम मैनेजर इस आत्मीय स्वागत से भावविभोर हो उठे। समारोह में 'अनेकता में एकता' का भाव जीवंत रूप से दिखाई दिया। कार्यक्रम में तमिल, कन्नड़, तेलुगु, बांग्ला, असमिया सहित हिंदी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं में एंकरिंग की गई। बहुभाषी मंच संचालन ने विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों को अपनेपन का अनुभव कराया और राष्ट्रीय आयोजन की गरिमा को और बढ़ाया। अखिल भारतीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की विद्युत कंपनियों की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, असम, कोलकाता तथा छत्तीसगढ़ की टीमों ने भागीदारी की।

छत्तीसगढ़ ने जीता 48वीं अखिल भारतीय विद्युत खेल नियंत्रण बोर्ड टेबल टेनिस खिताब

टेबल टेनिस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप पर कब्जा कर लिया। सेमीफाइनल में छत्तीसगढ़ ने पिछली बार की चैंपियन तमिलनाडु की टीम को 3-1 से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहली बार टूर्नामेंट में पहुंची असम की टीम को भी 3-1 से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। असम की टीम उपविजेता रही, जबकि तमिलनाडु ने तीसरा और कर्नाटक पावर कॉरपोरेशन की टीम ने चौथा स्थान हासिल किया। छत्तीसगढ़ की ओर से रजनीश ओबेराय, अनुराग शर्मा और समीर तिवारी ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया। टीम में अनिल अग्रवाल, प्रशांत बापट और सागर पिंपलापुरे भी शामिल रहे। एकल प्रतिस्पर्धा का खिताब कोलकाता के नाम रहा, जबकि युगल वर्ग में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी ने जीत दर्ज की।



पुरस्कार वितरण

समापन समारोह में पावर कंपनी के तीनों प्रबंध निदेशकों ने विजेताओं





को पुरस्कार प्रदान किए। पुरस्कार वितरण समारोह में प्रबंध निदेशक, पावर ट्रांसमिशन कंपनी श्री राजेश शुक्ला ने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना का बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल से मिलने वाली सीख को अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। प्रबंध निदेशक जनरेशन एवं केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के अध्यक्ष श्री संजीव कटियार ने कहा कि तीन दिनों तक चली इस रोमांचक प्रतियोगिता के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में काम कर रहे कर्मियों के बीच बेहतर तालमेल बनाना ही असल सफलता है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि प्रबंध निदेशक डिस्ट्रीब्यूशन श्री भीम सिंह कंवर ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में कार्य करने के दबाव के बीच खेल के लिए समय निकालना किसी चुनौती से कम नहीं है। इन चुनौतियों को पार कर विजेता बनना समर्पण और अनुशासन के बिना संभव नहीं है।

इस अवसर पर **वरिष्ठतम खिलाड़ी एवं मुख्य अभियंता श्री प्रशांत बापट को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड** से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर AIESCB के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कार्यपालक निदेशक श्री के.एस. मनोठिया तथा केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव श्री एम.एस. चौहान ने भी संबोधित किया। समारोह में मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्रीमती रश्मि वर्मा, उप महाप्रबंधक श्री पंकज सिंह परमार, श्री पंकज चौधरी, केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के कार्यालय सचिव श्री राजेश सिंह, क्रीड़ा सचिव श्री विनय चंद्राकर, सचिव कला श्रीमती चांदनी दुबे उपस्थित थीं। संचालन प्रबंधक (आईआर) श्री विकास शर्मा ने किया।



ये रहे प्रतियोगिता के विजेता

- **युगल वर्ग:** अखिल भारतीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का युगल खिताब छत्तीसगढ़ के रजनीश ओबेरॉय और अनुराग शर्मा ने जीता। आंध्र प्रदेश ट्रांसमिशन कंपनी के एन. आदिनारायण एवं एम.वी.वी. रामकृष्ण उपविजेता रहे, जबकि तीसरा स्थान असम पावर कंपनी के अनुपम तमोली और अनिमेष साइकाई ने हासिल किया।
- **एकल वर्ग:** एकल खिताब कोलकाता इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड के गौतम सिन्हा ने अपने नाम किया। असम के अनुपम तामुली उपविजेता रहे, जबकि छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी के रजनीश ओबेरॉय तीसरे स्थान पर रहे।
- **टीम चैंपियनशिप:** छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी ने टीम चैंपियनशिप का खिताब जीता। असम पावर कंपनी की टीम उपविजेता रही। इस वर्ग में तमिलनाडु इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड, तमिलनाडु की टीम तीसरे स्थान पर रही।

असम के खिलाड़ियों की प्रतिक्रिया-एक यादगार टूर्नामेंट के लिए छत्तीसगढ़ को हार्दिक धन्यवाद

छत्तीसगढ़ ने न केवल एक शानदार मेजबान होने का परिचय दिया, बल्कि प्रतिभा के एक सशक्त केंद्र के रूप में भी उभरकर सामने आया। राज्य की टीम का शानदार प्रदर्शन—फाइनल में असम को हराकर खिताब का बचाव करना और सेमीफाइनल में पिछले वर्ष की चैंपियन तमिलनाडु की टीम को पराजित करना—खेलों में उत्कृष्टता के प्रति राज्य के समर्पण का प्रमाण था। हम देशभर से आए सभी प्रतिभागी दलों के प्रति प्रदर्शित असाधारण आतिथ्य के लिए भी समान रूप से आभारी हैं। खिलाड़ियों और प्रबंधकों का उनकी स्थानीय भाषाओं (जिनमें तमिल, कन्नड़, तेलुगु, बांग्ला और असमिया शामिल हैं) में स्वागत करने का विशेष प्रयास वास्तव में "विविधता में एकता" की भावना का प्रतीक था और इसने एक आत्मीय एवं समावेशी वातावरण बनाया, जिसकी वहां उपस्थित सभी लोगों ने दिल से सराहना की। निर्बाध आयोजन, महिला मंडल भवन में बेहतर सुविधाएं तथा प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला सर, श्री संजीव कुमार कटियार सर, श्री भीम सिंह कंवर सर और एआईईएससीबी के अध्यक्ष श्री के.एस. मनोठिया सर एवं महासचिव श्री महेंद्र सिंह चौहान सर जैसे गणमान्य व्यक्तियों के प्रोत्साहन ने मिलकर इस आयोजन को विश्वस्तरीय खेल प्रतियोगिता बनाने में योगदान दिया।

शानदार चैंपियनशिप जीत के लिए छत्तीसगढ़ को बधाई और 48वीं एआईईएससीबी टेबल टेनिस प्रतियोगिता को खिलाड़ियों एवं अधिकारियों के लिए इतना यादगार और प्रेरणादायक आयोजन बनाने के लिए धन्यवाद। हम अपने साथ ढेर सारी अच्छी यादें और मुस्कानें लेकर जा रहे हैं। असम की ओर से आप सभी को धन्यवाद।

1. सुमंतक दास
2. अनुपम तमुली,
3. अनिमेष सैकिया
4. सरबोंग जैरी टेरांग
5. सुमंत कुमार दास
6. प्रियॉम दत्ता — प्रबंधक





बांगो जल विद्युत संयंत्र में हुआ आपदा प्रबंधन एवं इमरजेंसी रिस्पांस मॉकड्रिल



बांगो-माचाडोली। हसदेव बांगो जल विद्युत संयंत्र माचाडोली में बुधवार को आपदा प्रबंधन एवं इमरजेंसी रिस्पांस के अंतर्गत मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। मॉकड्रिल के दौरान ट्रांसफार्मर यार्ड में भीषण आग लगने की आपातकालीन स्थिति का मॉकड्रिल किया गया।

अचानक इमरजेंसी सायरन बजते ही फायर एवं इमरजेंसी रिस्पांस टीम सक्रिय हुई और निर्धारित प्रक्रिया के तहत घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाने की कार्रवाई शुरू की गई। अग्निशमन कर्मचारियों द्वारा लगभग 7 मिनट में आग पर प्रभावी रूप से नियंत्रण पाया गया। इस दौरान ट्रांसफार्मर यार्ड में आग को फैलने से रोकने के लिए तकनीकी एवं सैद्धांतिक दोनों स्तरों पर आवश्यक प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया। मॉकड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय, समन्वय और प्रभावी कार्रवाई के माध्यम से संभावित दुर्घटना को नियंत्रित करने का प्रशिक्षण देना था।

मॉकड्रिल का आयोजन अधीक्षण यंत्री (संचालन एवं संधारण) श्री राकेश चंद्र गुप्ता के दिशा-निर्देश एवं नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर श्री गुप्ता ने कहा कि आपातकालीन स्थिति में समय का प्रत्येक क्षण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। बिना निरंतर अभ्यास और प्रयास के किसी भी चुनौती का प्रभावी सामना नहीं किया जा सकता। नियमित मॉकड्रिल से कर्मचारियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वास्तविक आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने की क्षमता विकसित होती है।

मॉकड्रिल के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वास्तविक आपातकालीन स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं, फायर फाइटिंग तकनीक तथा टीमवर्क का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। अग्निशमन अधिकारी श्री जीपी. पनरिया एवं उनकी टीम द्वारा जल विद्युत संयंत्र के अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों को अग्निशमन उपकरणों के उपयोग एवं आग बुझाने की तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) श्री राजेश बंजारा, संरक्षा अधिकारी श्री पीयूष सोमानी सहित संयंत्र के अधिकारी-कर्मचारी एवं सुरक्षा कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना-2026 की अवधि बढ़ी

अब 31 दिसंबर 2026 तक मिलेगा लाभ

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना-2026 की अवधि बढ़ाकर 31 दिसंबर 2026 तक कर दी है। पहले इस योजना की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित थी। अवधि बढ़ाए जाने से पात्र उपभोक्ताओं को योजना का लाभ लेने के लिए तीन माह का अतिरिक्त समय मिल गया है।

कंपनी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, योजना का उद्देश्य पात्र बिजली उपभोक्ताओं को उनके लंबित एवं बकाया बिजली बिलों के समाधान का अवसर प्रदान करना है। पावर कंपनी ने स्पष्ट किया है कि योजना की अवधि बढ़ाने के साथ ही पूर्व में जारी आदेश में उल्लेखित अन्य नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी। इसलिए पात्र उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे योजना से संबंधित पात्रता, आवश्यक दस्तावेजों एवं भुगतान प्रक्रिया की जानकारी समय रहते प्राप्त कर लें।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्थ ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे योजना की बढ़ी हुई अवधि का लाभ लेने के लिए अंतिम समय तक प्रतीक्षा न करें, बल्कि जल्द से जल्द संबंधित विद्युत कार्यालय से संपर्क कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करें। इससे बकाया बिजली बिलों के समाधान के साथ-साथ भविष्य में होने वाली असुविधा से भी बचा जा सकेगा। श्री अम्बस्थ ने कहा कि मुख्यमंत्री बिजली बिल समाधान योजना-2026 की अवधि बढ़ाए जाने से पात्र उपभोक्ताओं को अपने पुराने बिजली बिलों के समाधान और उपलब्ध राहत का लाभ लेने का एक और महत्वपूर्ण अवसर मिला है।



बिजली उपभोक्ताओं को दी अधिकारों की जानकारी

छ त्तीसगढ़ राज्य विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से विद्युत उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, बिजली सेवाओं, बिलिंग, स्मार्ट मीटर, सौर कनेक्शन तथा शिकायत निवारण की प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। राजनांदगांव में सेमीनार, डोंगरगांव में जागरूकता शिविर और रिसाली में बैठक के दौरान विशेषज्ञों एवं अधिकारियों ने उपभोक्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा शिकायतों के निराकरण के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं से अवगत कराया।



राजनांदगांव। विद्युत उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, शिकायत निवारण की प्रक्रिया तथा आधुनिक विद्युत तकनीक की जानकारी देने के उद्देश्य से 19 अगस्त को एबिस ग्रीन होटल, राजनांदगांव में "विद्युत उपभोक्ता जागरूकता एवं शिकायत निवारण संबंधी सेमिनार" आयोजित किया गया।

सेमिनार में ईडी ओएंडएम, रायपुर श्री संजय खंडेलवाल ने स्मार्ट मीटर की विशेषताओं, कार्यप्रणाली, आधुनिक तकनीकी पहलुओं एवं उपभोक्ताओं के लिए इसकी उपयोगिता की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। नियामक आयोग के सदस्य (विधि) श्री विवेक गनोदवाले ने अध्यक्षीय उद्बोधन में उपभोक्ता हितों की रक्षा तथा विद्युत क्षेत्र में नियामकीय व्यवस्था की भूमिका पर प्रकाश डाला। नियामक आयोग के सदस्य (तकनीकी) श्री अजय कुमार सिंह ने नियामक आयोग की भूमिका और विवाद समाधान की प्रक्रिया की जानकारी दी। आयोग के निदेशक (इंजीनियरिंग) श्री कमलेश कुमार दिलीवार ने सौर ऊर्जा से संबंधित समस्याओं एवं तकनीकी पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। मुख्य अभियंता (राजनांदगांव क्षेत्र) श्री हर्ष कुमार मेश्राम ने "Tier-1 Grievance Redressal एवं इसकी प्रक्रिया" विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

फोरम के अध्यक्ष श्री अश्वनी कुमार गौराहा ने शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, क्षतिपूर्ति के प्रावधान तथा फोरम द्वारा विवाद समाधान की प्रकृति के बारे में बताया। फोरम दुर्ग के अध्यक्ष श्री पी.वी. सजीव ने विद्युत बिल में दर्ज विभिन्न विवरणों को सरल भाषा में समझाया। विद्युत लोकपाल श्री एस.के. सोनी ने "उपभोक्ताओं के अधिकार" विषय पर संबोधित करते हुए उपभोक्ताओं के वैधानिक अधिकारों एवं शिकायत निवारण के उच्चतर मंच की जानकारी दी। प्रश्नोत्तर सत्र में उपभोक्ताओं ने बिलिंग, स्मार्ट मीटर, विद्युत आपूर्ति, शिकायत निवारण, क्षतिपूर्ति, सौर ऊर्जा एवं अन्य विद्युत संबंधी विषयों पर विशेषज्ञों से सीधे प्रश्न किए।

डोंगरगांव में विद्युत उपभोक्ता जागरूकता शिविर



राजनांदगांव/डोंगरगांव। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित सेवा मानकों एवं उपभोक्ता हित संबंधी प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के डोंगरगांव संभाग में 18 सितंबर को विद्युत उपभोक्ता जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम (CGRF) के अध्यक्ष श्री ए.के. गौराहा ने उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, शिकायत दर्ज कराने के माध्यमों तथा शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिकायतों के प्रभावी एवं समयबद्ध निराकरण के लिए ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था सहित विभिन्न माध्यम उपलब्ध हैं। कार्यक्रम में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम के सदस्य श्री एन.के. साहू, डोंगरगांव संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री बीरबल कुमार उइके, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता सहित बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ता उपस्थित रहे।

रिसाली में विद्युत उपभोक्ता जागरूकता बैठक



दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी , दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत स्कॉडा संभाग कार्यालय, रिसाली में 11 सितंबर को विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम (ईसीजीआरएफ) द्वारा विद्युत उपभोक्ता जागरूकता विषय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों और बिजली से जुड़ी विभिन्न सेवाओं के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, दुर्ग के अध्यक्ष श्री पी.व्ही. सजीव और बी.एस.पी. क्षेत्र के अध्यक्ष श्री अनिल कुमार चौहान उपस्थित थे। इनके साथ दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट, अधीक्षण अभियंता श्री जे. जगन्नाथ प्रसाद, कार्यपालन अभियंता श्री के. सुरेश कुमार, कार्यपालन अभियंता सुश्री गीता ठाकुर, सहायक एवं कनिष्ठ अभियंता, तकनीकी स्टाफ तथा रिसाली और भिलाई नगर निगम के हुडको क्षेत्र के उपभोक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक अभियंता श्री रविरंजन कुमार ने किया।

पुरूर में विद्युत शिकायत निवारण एवं उपभोक्ता अधिकारों पर मंथन



"विद्युत उपभोक्ता जागरूकता एवं शिकायत निवारण प्रक्रिया संबंधी सेमिनार" गुरुवार को पुरूर में 27 अगस्त को संपन्न हुआ। सेमिनार में उपभोक्ताओं को शिकायत दर्ज कराने से लेकर उसके समाधान तक की प्रक्रिया के साथ-साथ बिजली उत्पादन से लेकर पारेषण, वितरण और अंततः उपभोक्ता के घर तक बिजली पहुँचने की पूरी व्यवस्था को विस्तारपूर्वक समझाया गया।

सेमिनार में फोरम के अध्यक्ष श्री पी.वी. संजीव, एई गुरूर श्री एच.के. यादव एवं गुरूर ब्लॉक के सभी कनिष्ठ अभियंताओं ने विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम एवं विद्युत लोकपाल (Ombudsman) की भूमिका और कार्यप्रणाली को सरल भाषा में समझाया। विशेषज्ञों ने बताया कि शिकायत का प्रारंभिक स्तर पर समाधान नहीं होने की स्थिति में उपभोक्ता निर्धारित प्रक्रिया के तहत अगले शिकायत निवारण मंच का उपयोग कर सकता है। इसके साथ ही, निर्धारित समय-सीमा में शिकायत का निराकरण नहीं होने की स्थिति में उपलब्ध क्षतिपूर्ति के प्रावधानों की भी जानकारी दी गई।

उन्होंने उपभोक्ताओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा उपलब्ध वैधानिक शिकायत निवारण व्यवस्था का उचित उपयोग करने का आग्रह किया। विशेषज्ञों ने उपभोक्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए संबंधित प्रक्रिया एवं तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में एई श्री यादव ने आभार प्रदर्शन किया।

समय-सीमा पर शिकायत निवारण की दी गई जानकारी



विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, रायपुर ग्रामीण के तत्वावधान में रायपुर (संचा./संधा.) संभाग में विद्युत उपभोक्ता जागरूकता विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) श्री संजय खंडेलवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण, उपभोक्ता अधिकारों तथा विद्युत विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने उपभोक्ताओं से विद्युत संबंधी समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने तथा अपने अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया।

कार्यशाला के दौरान रायपुर ग्रामीण संभाग के विद्युत उपभोक्ताओं को उनके उपभोक्ता अधिकारों, विद्युत सेवाओं, शिकायत निवारण व्यवस्था एवं निर्धारित समय-सीमा के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यशाला का उद्देश्य उपभोक्ताओं और विद्युत विभाग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध विद्युत सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा।

इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता श्री पुष्पमित्र शर्मा एवं कार्यपालन अभियंता श्री धनंजय वर्मा सहित रायपुर ग्रामीण संभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ता उपस्थित रहे।

पावर कंपनी से ईडी श्री वी.के. दीक्षित एवं मुख्य अभियंता श्री प्रशांत बापट को भावभीनी विदाई



छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ से कार्यपालक निदेशक (टीएंडडी) श्री वीरेंद्र कुमार दीक्षित एवं मुख्य अभियंता (जनरेशन) श्री प्रशांत बापट को 30 सितंबर 2026 को भावभीनी विदाई दी गई। पॉवर कंपनीज के मुख्यालय सेवा भवन में आयोजित समारोह में प्रबंध निदेशक (जनरेशन) श्री एस.के. कटियार एवं प्रबंध निदेशक (ट्रांसमिशन) श्री राजेश कुमार शुक्ला ने उन्हें सम्मानित किया।



एचटीपीएस कोरबा पश्चिम से चार कर्मियों को विदाई

हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में सितंबर माह में चार कर्मियों को विदाई दी गई। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एम.के. गुप्ता श्री आर.के. पांडे, श्री ए.के. शाह, श्री के.एन.बी. राव, श्री एस.के. नायर, श्री एस.सी. पाठक, परियोजना प्रबंधक श्री एस.के. पंड्या एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के. कुरनाल ने उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।



सेवानिवृत्त साथी
श्री प्रदीप कुमार जोशी- CE
श्री सत्येंद्र कुमार साहू - SE
श्री विनीत कुमार निर्मलकर- Jr. Supr.
श्री संतलाल कंवर- Jr. Supr.

ट्रांसमिशन कंपनी के छह कर्मियों को विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मुख्यालय सेवा भवन में 30 सितंबर को आयोजित समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मानित कर भावभीनी विदाई दी गई। प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया।



सेवानिवृत्त साथी : श्री कमलेश कुमार गुप्ता (सहायक प्रबंधक), श्री मो. युसुफ खान (सहायक प्रबंधक -वित्त), श्री बसंत कुमार विश्वकर्मा (दफ्तरी), श्री चंद्रशेखर दीवान (कनिष्ठ अभियंता), श्री धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव (वरिष्ठ पर्यवेक्षक- भिलाई संभाग), श्री घनश्याम सिंह चौहान (लाइन सहायक श्रेणी-दो)

एचआर विभाग से श्री कमलेश कुमार गुप्ता को विदाई

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यालय मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) में आयोजित समारोह में सहायक प्रबंधक श्री कमलेश कुमार गुप्ता को सेवानिवृत्ति पर स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अभियंता श्रीमती रश्मि वर्मा ने उनके सेवाकाल की सराहना की। समारोह में उपमहाप्रबंधक श्रीमती अल्पना शरत तिवारी, श्री पंकज सिंह परमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक श्रीमती अनामिका मंडावी ने किया।



मंत्रालय ऊर्जा विभाग से श्री पंचलाल देवांगन सेवानिवृत्त- मंत्रालय ऊर्जा विभाग में सहायक प्रबंधक के पद पर पदस्थ श्री पंचलाल देवांगन को 31 अगस्त 2026 को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उप सचिव श्री आशुतोष जायसवाल एवं श्री मनोज कोसले ने पॉवर कंपनी की ओर से जारी प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट किया। समारोह में उप सचिव द्वय के अतिरिक्त कार्यपालन अभियंता श्री हितेंद्र मार्कण्डेय, स्टाफ ऑफिसर श्री सैमसन लाबान, सहायक अभियंता श्री पाण्डेय, अनुभाग अधिकारी श्रीमती अंजू शर्मा, श्री प्रदीप नंदनवान, अवर सचिव श्री शोभरन सिग सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।



11 कर्मियों की दी विदाई- ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला ने सेवानिवृत्त अधिकारी.कर्मचारी को प्रशस्ति पत्र दिया। सहायक प्रबंधक, श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल, प्रशासनिक अधिकारी श्री शेष कुमार सोनी एवं श्री कमल कुमार भंवर, प्रशासनिक अधिकारी श्री सी.आर. रामचंद्रन, वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री सुशील कुमार शील व श्री रमेश कुमार वर्मा सहित भिलाई में कार्यरत वरिष्ठ पर्यवेक्षक (परीक्षण) श्री बसंत कुमार साहू, लाईन सहायक श्रेणी-दो श्री दुलारराम यादव एवं लैब टेक्नीशियन श्रीमती सावित्री राय को तथा जगदलपुर में कार्यरत लाईन सहायक श्रेणी-एक श्री आर.गुरवैया, सिविल परिचारक श्रेणी-एक, श्री कस्तुराम नाग को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।



दुर्ग कार्यालय से श्री बी.एस. राजपूत एवं श्री अश्विनी साहू सेवानिवृत्त- दुर्ग में पदस्थ स्टाफ ऑफिसर श्री बी.एस. राजपूत एवं दफ्तरी श्री अश्विनी साहू के सेवानिवृत्त होने पर 30 सितंबर को कार्यपालक निदेशक श्री शिरीष सेलट ने श्री बी.एस. राजपूत (स्टाफ ऑफिसर) एवं श्री अश्विनी साहू (दफ्तरी) को सम्मानित किया। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. मनोज, अधीक्षण अभियंता श्री आर.के. श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता श्रीमती अनसुईया ठाकुर, ईसीजीआरएफ के अध्यक्ष श्री पी.वी. सजीव, विधि अधिकारी सुश्री रश्मि शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी श्री एल.पी. चौधरी, प्रोग्रामर सुश्री सफीना निगार, निज सचिव श्रीमती रमणी राजेन्द्रण तथा दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों के परिवारजन सहित कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।





एबीवीटीपीएस मड़वा से मुख्य अभियंता श्री रामकृष्ण नायक सेवानिवृत्त- अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस), मड़वा से सितंबर माह में मुख्य अभियंता श्री रामकृष्ण नायक के सेवानिवृत्त होने पर भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अभियंता (उत्पादन) श्री रजनीश जांगड़े ने उन्हें स्मृति चिह्न एवं सेवा प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आलोक लकरा, श्री आर.एल. ध्रुव एवं श्री एन. लकरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

एचटीपीएस से भृत्य श्रीमती मीना कुमारी सेवानिवृत्त - हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम से अगस्त माह में भृत्य श्रीमती मीना कुमारी सेवानिवृत्त हुईं। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री एच.के. सिंह ने उन्हें स्मृति चिह्न एवं सेवा प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में मुख्य अभियंता श्री एम.के. गुप्ता, श्री के.एन.बी. राव, श्री एस.सी. पाठक एवं परियोजना प्रबंधक श्री एस.के. पंड्या उपस्थित थे।



पंचकोश, षट्चक्र एवं आभामंडल की अवधारणाओं पर दी जानकारी



छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग एवं छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वयं से साक्षात्कार' विषय पर 19 सितम्बर को कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वामी महेश एवं डॉ. अनिल गुप्ता ने भारतीय परंपरा में वर्णित ऊर्जा, चेतना एवं आभामंडल की अवधारणाओं को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के संदर्भ में समझाया। कार्यशाला में आयोग के सदस्य श्री विवेक गनोदवाले, सचिव श्री सूर्यप्रकाश शुक्ला तथा पावर कंपनीज़ के प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार, श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं श्री भीम सिंह कंवर विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन उपमहाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री गोविन्द पटेल ने किया। आयोग की संयुक्त निदेशक श्रीमती प्राची श्रीवास्तव ने अतिथियों का परिचय दिया।

एई एवं जेई के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित



छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अंतर्गत कार्यपालन अभियंता, उपकेंद्र संभाग-II, रायपुर द्वारा 10 अक्टूबर 2026 को 132 केवी जीआईएस उपकेंद्र, रवांभाठा में सहायक अभियंताओं एवं कनिष्ठ अभियंताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का विषय 'ईएचवी उपकेंद्रों के संचालन, रखरखाव, सुरक्षा एवं संरक्षण की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां' रहा। इसमें उच्च वोल्टेज उपकेंद्रों के सुरक्षित एवं प्रभावी संचालन, नियमित रखरखाव, विद्युत संरक्षण प्रणालियों तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में मुख्य अभियंता श्री आर.के. तिवारी, अधीक्षण अभियंता श्री धनेश देवांगन तथा कार्यपालन अभियंता श्री प्रशांत साहू, श्री विंध्याचल गुप्ता एवं श्री प्रदीप साहू ने जानकारी साझा की। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य तकनीकी दक्षता बढ़ाने, सुरक्षा मानकों के पालन और उपकेंद्रों के विश्वसनीय संचालन को प्रोत्साहित करना रहा। बेहतर तकनीकी दक्षता, सुरक्षित कार्यप्रणाली और विश्वसनीय विद्युत पारेषण।

गाड़ाडीह वितरण केंद्र में विद्युत सुरक्षा कार्यशाला



दुर्ग। दुर्ग क्षेत्र के अंतर्गत गाड़ाडीह वितरण केंद्र में 10 सितंबर को निरीक्षण के साथ-साथ विद्युत सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें गाड़ाडीह, सेलूद एवं जामगांव (आर) वितरण केंद्रों में पदस्थ सभी लाइन कर्मचारियों एवं एफओसी कर्मियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मैदानी अमले को विद्युत लाइनों पर कार्य करते समय बरती जाने वाली सुरक्षा सावधानियों से अवगत कराना तथा सुरक्षा उपकरणों के सही रख-रखाव और उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

कार्यशाला के दौरान दुर्ग क्षेत्र के अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री एस. मनोज ने तकनीकी एवं ठेका कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। कार्यशाला में सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, दस्ताने, टेस्टर एवं डिस्चार्ज रॉड जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों के उपयोग का प्रायोगिक प्रदर्शन किया गया तथा उनके उपयोग की बारीकियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता श्रीमती अनसुइया ठाकुर एवं श्री बी.पी. दीपक, सहायक अभियंता श्री भूपेश वर्मा सहित सभी तकनीकी कर्मचारी उपस्थित थे।

परिचयावली



श्री संजय खंडेलवाल

कार्यपालक निदेशक (संचालन एवं संधारण), छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, रायपुर

जन्म : 06 अक्टूबर 1965 को मध्यप्रदेश के नैनपुर
शिक्षा : बीई इलेक्ट्रिकल- शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज/एनआईटी रायपुर (1986)
डीबीएम- दुर्गा कॉलेज, रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर (1987)
पीजीडीबीएम (एनर्जी मैनेजमेंट)- एआईसीटीई से अनुमोदित व भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय एवं यूएसएआईडी से प्रायोजित (2007 से 2009)
तकनीकी रुचि : एससीएडीए, स्मार्ट ग्रिड एवं वितरण स्वचालन

विद्युत वितरण के मैदानी दायित्वों से लेकर टॉप मैनेजमेंट तक कार्य का अनुभवन रखने वाले श्री संजय खंडेलवाल वर्तमान में कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) का दायित्व निर्वहन कर रहे हैं। फील्ड पदस्थापना से लेकर मुख्य अभियंता और कार्यपालक निदेशक के दायित्व तक की इस यात्रा में तकनीकी कार्यों के साथ वितरण व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों का अनुभव उनके सेवाकाल का प्रमुख हिस्सा रहा है। उनके पिता स्वर्गीय रामबिलास खंडेलवाल और माता स्वर्गीय विद्यावती खंडेलवाल थीं।

सेवा यात्रा

- प्रशिक्षु/ग्रेजुएट ट्रेनी - 11.05.1989–1990 | एमपीईबी
- **सहायक अभियंता —** 1990–2006 | लगभग 16 वर्ष
  एमपीईबी/सीएसईबी- अंबागढ़ चौकी, छावनी, दुर्ग ग्रामीण।
- **कार्यपालन अभियंता —** 2006–2017 | लगभग 11 वर्ष
  सीएसपीडीसीएल- एसटीएम सिटी रायपुर, ईडी ओएंडएम रायपुर कार्यालय, सिटी डिवीजन भिलाई, सिटी डिवीजन ईस्ट भिलाई।
- **अधीक्षण अभियंता —** 2017–2023 | लगभग 5.5 वर्ष
  सीएसपीडीसीएल- मुख्य अभियंता राजस्व रायपुर कार्यालय, ईडी ओएंडएम रायपुर, एमडी कार्यालय रायपुर
- **अतिरिक्त मुख्य अभियंता —** 2023–2024 | 1 वर्ष 10 माह
  सीएसपीडीसीएल- एमडी कार्यालय रायपुर।
- **मुख्य अभियंता —** 2024–2026 | लगभग 1 वर्ष 4 माह
  सीएसपीडीसीएल- दुर्ग क्षेत्र।
- **कार्यपालक निदेशक -** 17.04.2026–वर्तमान
  सीएसपीडीसीएल- ईडी दुर्ग क्षेत्र के बाद जुलाई 2026 से कार्यपालक निदेशक (संचालन एवं संधारण), रायपुर।

परिवार की झलक

- **श्रीमती ऋतु खंडेलवाल (पत्नी) —** एम.एच.एससी., बी.एड.; गृहिणी। पूर्व में इंडियन पोटाश लिमिटेड, नई दिल्ली तथा केंद्रीय विद्यालय, दुर्ग में सेवाएं।
- **डॉ. सृजन खंडेलवाल (पुत्र) —** एमबीबीएस, एमडी मेडिसिन, आईडीसीसीएम; चिकित्सक।
- **डॉ. मयूरी खंडेलवाल (पुत्री) —** एमबीबीएस, एमएस गायनेकोलॉजी, आईवीएफ फेलोशिप; चिकित्सक।
- **श्री संचित खंडेलवाल (पुत्र) —** बीबीए, एमबीए; बेंगलुरु के निजी क्षेत्र में कार्यरत।

तकनीकी प्रशिक्षण यात्रा

- **26.07.1988–30.04.1989: आईआईटी कानपुर**
  दूरदर्शन प्रायोजित डिजिटल कम्युनिकेशन प्रशिक्षण, दो सेमेस्टर
- **1989–1990: एनआईआईटी, नई दिल्ली**
  स्विफ्ट कम्प्यूटिंग फॉर एग्जीक्यूटिव्स
- **04–08 दिसंबर 2006: ईएससीआई, हैदराबाद**
  टीएंडडी सिस्टम्स
- **2007–2009: एमडीआई, गुरुग्राम**
  ऊर्जा प्रबंधन (पावर डिस्ट्रीब्यूशन) में 15 माह का पीजीडीबीएम
- **21–22 जनवरी 2013: ग्लोबल इंटेलिजेंस, नई दिल्ली**
  पावर केबल्स : चयन, परीक्षण एवं अनुरक्षण
- **26–28 नवंबर 2012: रेमी, मुंबई**
  एससीएडीए एवं स्मार्ट ग्रिड एप्लीकेशन
- **24–26 सितंबर 2013: रेमी, मुंबई**
  परफॉर्मेंस बेंचमार्किंग एवं क्वालिटी ऑफ सप्लाई एंड सर्विसेज
- **26–28 फरवरी 2014: सीपीआरआई, बेंगलुरु**
  एससीएडीए एवं स्मार्ट ग्रिड एप्लीकेशन

उपलब्धियां

सेवा के दौरान मैदानी विद्युत व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में भी श्री खंडेलवाल की भूमिका रही। भिलाई, डोंगरगढ़, दुर्ग और रायपुर में विभिन्न फील्ड पदस्थापनों के दौरान पीक लोड, गर्मी के समय बढ़ी विद्युत मांग और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान न्यूनतम व्यवधान के साथ विद्युत आपूर्ति बनाए रखने का कार्य किया। 15 अगस्त 2003 को दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में गंभीर लो-वोल्टेज समस्या का त्वरित एवं प्रभावी तकनीकी समाधान करने के लिए उन्हें सीएसईबी के स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

तकनीकी कार्यों के साथ सामाजिक गतिविधियों में भी उनकी रुचि रही है। रेडक्रॉस ब्लड बैंक रायपुर तथा जीईसी-एनआईटी रायपुर एलुमनी (भिलाई चैप्टर) द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में उन्होंने सक्रिय भागीदारी की। इसके लिए 22 जनवरी 2017 को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। तकनीकी अध्ययन के अलावा पर्यावरण एवं समाज सेवा में उनकी रुचि है। उनकी व्यक्तिगत रुचियों में कराओके गायन भी शामिल है।

परिचयावली



श्री जितेन्द्र कुमार चावड़ा

मुख्य अभियंता (सिविल),
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड

जन्म : 25 दिसंबर 1964, जगदलपुर

शिक्षा : बी.ई. (सिविल)- शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय, बिलासपुर (1988)।
एम.टेक. (हाइड्रो इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग) - मौलाना आजाद कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, भोपाल (वर्तमान में एम.ए.एन.आई.टी.), 1990।
वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा - 1998।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी लिमिटेड में मुख्य अभियंता (सिविल) के पद पर कार्यरत श्री जितेन्द्र कुमार चावड़ा का जन्म 25 दिसंबर 1964 को जगदलपुर में हुआ। पिता स्वर्गीय श्री रतनसी चावड़ा एवं माता स्वर्गीय श्रीमती पार्वती चावड़ा से प्राप्त संस्कारों को आत्मसात करते हुए उन्होंने अपने सेवाकाल में विभिन्न जल विद्युत एवं ताप विद्युत परियोजनाओं, अधोसंरचना विकास तथा कोयला उत्खनन एवं परिवहन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया।

सेवा यात्रा

- **स्नातक प्रशिक्षु एवं सहायक अभियंता** –1990–1991 | एमपीईबी टोंस जल विद्युत परियोजना सिरमौर (रीवा), बोधघाट जल विद्युत परियोजना बारसूर। **प्रशिक्षण-** इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद से दो माह तथा सिविल-25वें बैच में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- **मुख्यालय शक्ति भवन जबलपुर** – 1992–1997 | एमपीईबी कार्यालय कार्यपालक निदेशक (सिविल), प्लानिंग एंड डिजाइन में पदस्थापना
- **जल विद्युत परियोजनाओं के तकनीकी कार्य** – 1998–2005- एमपीईबी/सीएसईबी **प्रशिक्षण-** भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड द्वारा नंगल (पंजाब) में हाइड्रोलिक गेट्स एवं कंट्रोल सिस्टम, बाणसागर-टोंस जल विद्युत परियोजना के विद्युत गृह क्रमांक 2, 3 एवं 4 तथा मड़ीखेड़ा जल विद्युत परियोजना
- **वित्त एवं लेखा कार्यालय** – 2005- सीएसईबी कार्यालय निदेशक (वित्त एवं लेखा) में पदस्थापना।
- मड़वा ताप विद्युत परियोजना – 2008–2010 | सीएसपीजीसीएल वर्ष 2008 में कार्यालय कार्यपालक निदेशक (सिविल-परियोजना) रायपुर में पदस्थापना हुई।
  वर्ष 2009 में प्रस्तावित 2×500 मेगावाट मड़वा ताप विद्युत परियोजना
- **कार्यपालन अभियंता- वर्ष 2010 |** सीएसपीजीसीएल मड़वा परियोजना के आवासीय परिसर की अधोसंरचना सुविधाओं के विकास
- **गारे पेलमा सेक्टर-3 कोल माइंस** – 2018–2020 कोल माइंस के विकास एवं संचालन कार्य। वर्ष 2019 में कोयले का उत्खनन तथा मार्च 2020 में कोयले का परिवहन प्रारंभ हुआ।
- **अधीक्षण अभियंता एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता** – 2020–2023 जुलाई 2020 में अधीक्षण अभियंता तथा अप्रैल 2023 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति।
- **मुख्य अभियंता (सिविल)** – मार्च 2025

मार्च 2025 में मुख्य अभियंता (सिविल) के पद पर पदोन्नति हुई। इस दौरान कोरबा पश्चिम, कोरबा पूर्व, मड़वा स्थित ताप विद्युत संयंत्रों तथा बांगो, गंगरेल एवं सिकासार स्थित जल विद्युत संयंत्रों के आवासीय परिसरों में आवश्यक आवासीय एवं अधोसंरचना सुविधाओं के निर्माण कार्य पूर्ण किए। नवा रायपुर में निर्माणाधीन छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनियों के संयुक्त मुख्यालय भवन के शिलान्यास एवं भूमिपूजन आयोजन में उनका विशेष योगदान रहा। भवन निर्माण के लिए आवश्यक स्वीकृतियाँ प्राप्त करने, कार्यादेश जारी करने तथा निर्माण कार्य प्रारंभ कराने से संबंधित कार्य भी पूर्ण किए। उनके मार्गदर्शन में मुख्यालय भवन के फाउंडेशन राफ्ट में लगभग 8,480 घनमीटर कंक्रीट डालने का कार्य लगातार 90 घंटे में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

परिवार की झलक

- **श्रीमती नीता चावड़ा (पत्नी)** – पारिवारिक जिम्मेदारियों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं।
- **सुश्री रितिका चावड़ा (पुत्री)** – के.आई.आई.टी., भुवनेश्वर से इंजीनियरिंग में स्नातक; वर्तमान में आई.टी. कंपनी डेलॉइट, बेंगलुरु में कार्यरत।
- **सुश्री वर्तिका चावड़ा (पुत्री)** – के.आई.आई.टी., भुवनेश्वर से इंजीनियरिंग में स्नातक; वर्तमान में कॉग्निजेंट, पुणे में कार्यरत।

उपलब्धियाँ

- सिविल-25वें प्रशिक्षण बैच में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- जल विद्युत परियोजनाओं में हाइड्रोलिक गेट्स, स्टॉपलॉग एवं ऑपरेटिंग सिस्टम के डिजाइन और ड्राइंग संबंधी तकनीकी कार्य पूर्ण किए।
- मड़वा ताप विद्युत परियोजना के आवासीय परिसर की अधोसंरचना सुविधाओं के विकास में योगदान दिया।
- गारे पेलमा सेक्टर-3 कोल माइंस से कोयला उत्खनन तथा मड़वा ताप विद्युत संयंत्र तक परिवहन प्रारंभ कराने से जुड़े कार्यों में योगदान दिया।
- नवा रायपुर में निर्माणाधीन छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनियों के संयुक्त मुख्यालय भवन के शिलान्यास एवं भूमिपूजन
- मुख्यालय भवन के फाउंडेशन राफ्ट में लगभग 8,480 घनमीटर कंक्रीट डालने का कार्य लगातार 90 घंटे में सफलतापूर्वक पूर्ण

रुचियाँ : पर्यटन, पठन, खेल एवं संगीत।

सांस्कृतिक आयोजन

करमा नृत्य पर झूमे कॉलोनीवासी



कोरबा पश्चिम। हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में प्रकृति व लोकपरंपरा से जुड़े करमा पर्व को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर करम डार की विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं परिवार व संस्थान की उन्नति की कामना की गई। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एच.के. सिंह एवं श्रीमती रुक्मणी सिंह तथा विशिष्ट अतिथि कारखाना प्रबंधक श्री ए.के. शाह एवं श्रीमती विजया शाह द्वारा 'करम सेमी डार' की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में मांदर की थाप पर सभी ने करमा नृत्य किया। वनवासी कन्या छात्रावास की छात्राओं ने छत्तीसगढ़ी गीत पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आयोजन सर्व समाज करमा महोत्सव समिति द्वारा किया गया।

एचटीपीएस में उत्साह से मनाया गया भोजली पर्व



कोरबा पश्चिम। हसदेव ताप विद्युत गृह संयंत्र (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में कॉलोनीवासियों द्वारा 29 अगस्त को भोजली पर्व बड़े उत्साह से मनाया गया। इस अवसर पर संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रुक्मणी सिंह एवं उपाध्यक्ष श्रीमती विजया शाह उपस्थित थीं। श्रीमती रुक्मणी सिंह द्वारा भोजली माता की पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। स्कूली बच्चों ने शानदार छत्तीसगढ़ी व सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इसके बाद 'देवी गंगा, देवी गंगा, लहर तुरंगा-लहर तुरंगा' गीत के साथ भक्तिमय वातावरण में कैलाश विहार स्थित सरोवर में माता भोजली का विसर्जन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भोजली उत्सव समिति (एचटीपीएस दर्री) द्वारा किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती संध्या कश्यप, श्री वासुदेव सिंह भगत, संयोजक श्री बलराम यादव, सह-संयोजक श्री संतोष सोनी एवं श्री एस. विश्वकर्मा, श्रीमती शांति देवी राठौर, श्री के.के. गौतम, श्री बाबूलाल चंद्रा, श्री दुखूराम साहू एवं श्री के.के. सिंह का विशेष योगदान रहा।

हसदेव ताप विद्युत संयंत्र में उत्साह से मनाई गई विश्वकर्मा जयंती



कोरबा पश्चिम। भगवान विश्वकर्मा की जयंती के अवसर पर 17 सितंबर को हसदेव ताप विद्युत संयंत्र (एचटीपीएस), कोरबा पश्चिम में कार्यपालक निदेशक श्री एच.के. सिंह ने सृजन, शिल्प और निर्माण के अधिष्ठाता भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर मुख्य अभियंता श्री पी.के. जोशी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सर्वश्री एम.के. गुप्ता, आर.के. पांडे, ए.के. शाह, एस.के. नायर एवं एस.सी. पाठक, परियोजना प्रबंधक श्री एस.के. पंड्या तथा वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के. कुरनाल उपस्थित रहे। संयंत्र के विभिन्न कार्यालयों में भी देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।



अविस्मरणीय मानसरोवर यात्रा

मानसरोवर यात्रा मेरे जीवन की उन दुर्लभ यात्राओं में से एक है, जिसे शब्दों में पूरी तरह व्यक्त करना संभव नहीं है। यह केवल किसी तीर्थस्थल की यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक शांति, आध्यात्मिक अनुभूति और स्वयं से साक्षात्कार की यात्रा थी। इस अविस्मरणीय यात्रा का सौभाग्य मुझे आर्चिका दीदी एवं आर्चिका फाउंडेशन के सान्निध्य में प्राप्त हुआ।

कुल 42 श्रद्धालुओं के इस यात्रा दल में रायपुर, छत्तीसगढ़ के पाँच यात्रियों को भी साथ चलने का अवसर मिला। इनमें मैं और मेरी पत्नी, प्रकाश नारायण सिन्हा वंश तेरहान एवं श्रीमती काशीभटला शामिल थे। अलग-अलग स्थानों, परिवेश और जीवनानुभवों से आए हम सभी शीघ्र ही एक परिवार की तरह जुड़ गए। आर्चिका दीदी का स्नेह, मार्गदर्शन और सकारात्मक ऊर्जा पूरे यात्रा दल के लिए निरंतर प्रेरणा का स्रोत बनी रही।

यात्रा का प्रत्येक पड़ाव रोमांच और आस्था से परिपूर्ण था। कठिन पर्वतीय मार्ग, दुर्गम रास्ते, अत्यधिक ठंड और बदलता मौसम हमारी परीक्षा ले रहे थे, किंतु मन में भगवान शिव के दर्शन की उत्कट अभिलाषा हर कठिनाई पर भारी पड़ रही थी। पहली बार पवित्र मानसरोवर के निर्मल जल के दर्शन हुए, तो लगा मानो प्रकृति ने स्वयं ईश्वर का दर्पण हमारे सामने रख दिया हो। चारों ओर फैले हिमाच्छादित पर्वत, शांत झील और निर्मल आकाश ने मन को अद्भुत शांति से भर दिया।

मानसरोवर के पवित्र तट पर खड़े होकर एक ऐसी अनुभूति हुई, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। वहाँ न कोई पद, न प्रतिष्ठा और न ही सांसारिक भेद रह जाता है—केवल श्रद्धा, प्रकृति और परमात्मा का विराट स्वरूप दिखाई देता है।

इस यात्रा ने सिखाया कि जीवन में कठिन रास्ते ही अक्सर सबसे सुंदर मंजिल तक पहुँचाते हैं। कठिनाइयों के बीच साथियों का सहयोग, आस्था और सकारात्मक भावनाएँ इस यात्रा की विशेष स्मृतियाँ बन गईं। आर्चिका दीदी के मार्गदर्शन और आर्चिका फाउंडेशन के स्नेहपूर्ण सहयोग ने इस यात्रा को अविस्मरणीय बना दिया।

इस पवित्र यात्रा से जुड़ी स्मृतियाँ सदैव मन में बनी रहेंगी। यात्रा के दौरान मिले स्नेह, विश्वास और आत्मीयता के लिए हृदय में कृतज्ञता का भाव है। भगवान शिव की कृपा सभी पर बनी रहे और सबके जीवन में शांति, स्वास्थ्य एवं सुख-समृद्धि का संचार हो।

दशरथ राम सिन्हा
निज सचिव
कार्यालय प्रबंध निदेशक, उत्पादन

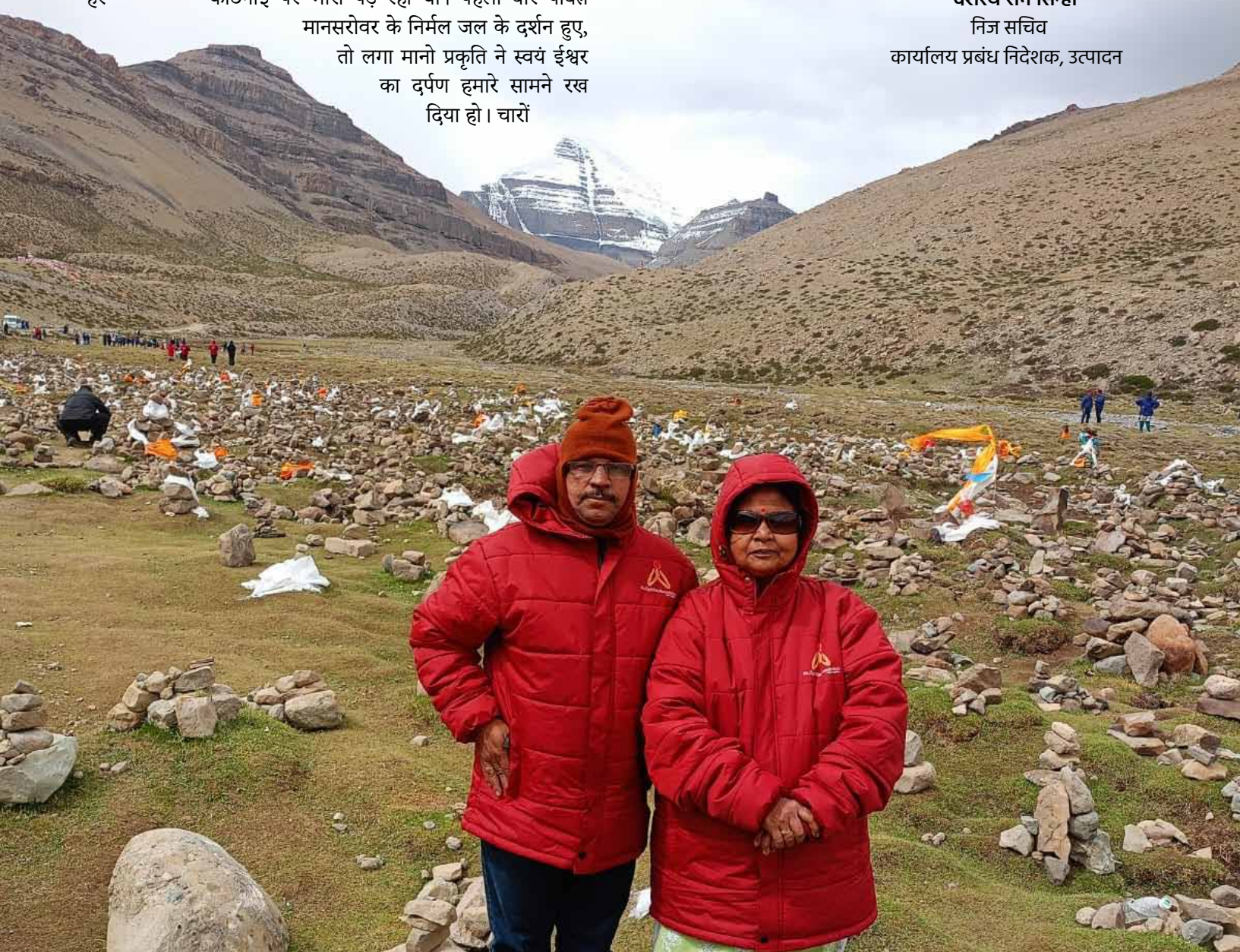

मीडिया स्पीक

millenniumpost | 6 अक्टूबर 2026

Digital Chhattisgarh secures FDI proposals of ₹43,250 cr at SING Forum 2026 in Singapore



THE IMPRESSIVE TIMES | 17 सितंबर 2026

AMITA OF JANJGIR-CHAMPI'S HOISTS THE TRICOLOR AFTER CONQUERING MOUNT EVEREST



THE NEW INDIAN EXPRESS | 16 सितंबर 2026

C'garh discom snaps supplies to govt depts sitting on ₹3,000 crore arrears



नवभारत | 8 अक्टूबर 2026

कृषि पंप, एसी के लोड ने बढ़ाई बिजली की खपत

महंगी कीमत पर भी नहीं मिल रही बिजली, कटौती करनी पड़ रही

रात में ईवी चार्जिंग का भी लोड

दैनिक भास्कर | 24 सितंबर 2026

पहली बार बिजली का ऐसा सब स्टेशन जो दूसरे के मुकाबले आधे से भी कम जगह पर बनेगा, इलाके का लोड भी कम होगा

पत्रिका | 9 सितंबर 2026

सुकमा के 58 वनांचल गांवों में पहली बार पहुंचेगी बिजली



हरिभूमि | 1 अक्टूबर 2026

42 करोड़ का 132 केवी विद्युत स्टेशन हुआ चार्ज, 67 गांवों को मिलेगी निर्बाध बिजली



छत्तीसगढ़ | 12 अक्टूबर 2026

53 सौ मेगावाट खपत, पीक आवर्स में अतिरिक्त बिजली की खरीद

'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 12 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ में इस समय बिजली की मांग और आपूर्ति अपने उच्चतम स्तर पर है। सोमवार को दोपहर 5300 मेगावाट की खपत रही। इसकी पूर्ति के लिए

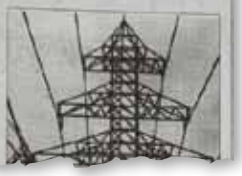

हमारे सोशल मीडिया पेज से जुड़ने के लिए स्कैन करें...

facebook
CS Power Companies

Instagram
cs_power_ Companies

twitter
@cspwrCompanies